RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning
Well Equipped Library GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7 श्रीजिता डे को उतरन से...

वर्ष : 26 अंक : 210 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 22 जुलाई, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

## कांवड़ रूट पर नेम प्लेट पर सुप्रीम रोक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटलों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने एनजीओ एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स द्वारा याचिका दाखिल की गई। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने इस मामले में उप्र, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर 26 जुलाई तक जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि क्या यह प्रेस स्टेटमेंट था या औपचारिक आदेश था कि इन्हें प्रदर्शित किया जाना चाहिए? याचिकाकर्ताओं के वकील ने जवाब दिया कि पहले एक प्रेस स्टेटमेंट था और फिर लोगों में आक्रोश था और वे कहते हैं कि यह स्वैच्छिक है लेकिन वे (शेष पृष्ठ-4 पर)

# मानसून सत्र : NEET-UG पर संसद में संग्राम

## विपक्ष की मांग, संसद में हो चर्चा, ताक पर छात्रों का भविष्य

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** 18वीं लोकसभा का मानसून सत्र आज से शुरू हो गया। मानसून सत्र का पहला दिन हंगामेदार रहा। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही नीट यूजी परीक्षा के कथित पेपरलीक के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि देश में इस समय सबसे ज्वलंत मुद्दा नीट परीक्षा का है। इसे लेकर काफी विवाद चल रहा है। साथ ही कांवड़ यात्रा, जम्मू कश्मीर के मुद्दे भी गंभीर हैं। महंगाई और अग्निपथ योजना का मुद्दा भी उठाया जाएगा। केसी वेणुगोपाल ने सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने की छूट के फैसले की भी आलोचना की और कहा कि सरकार ने जनादेश से ऐसा लगता है कि कोई सीख नहीं ली है। संसद में विपक्ष नीट यूजी पर चर्चा पर मांग कर रहा था और वह शिक्षामंत्री के बयान से संतुष्ट नहीं थे।

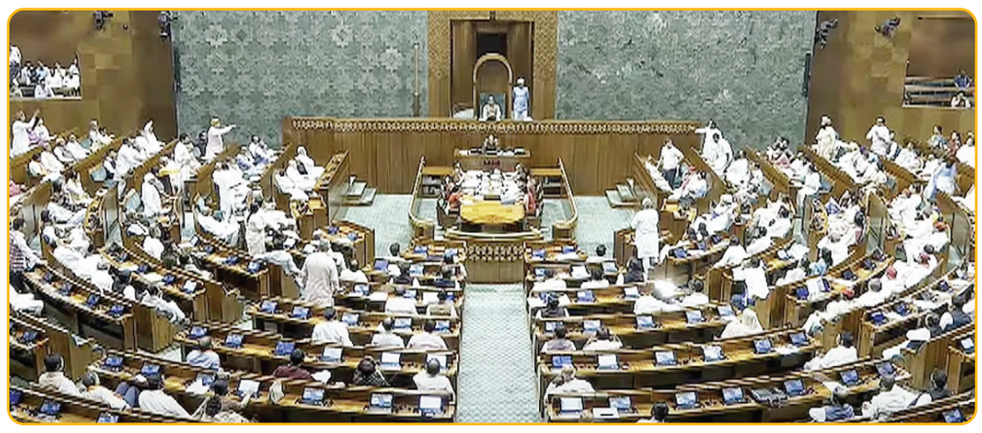

### पेपरलीक के कोई सबूत नहीं : धर्मेन्द्र प्रधान

प्रश्न-पत्र लीक के मामले में विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पिछले सात साल में पेपरलीक को लेकर कोई सबूत नहीं हैं। यह केस पहले ही सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। चीफ जस्टिस इस पर सुनवाई कर रहे हैं। एनटीए के बाद 240 एग्जाम हुए हैं। 5 करोड़ से ज्यादा छात्रों ने अप्लाई किया और 4.5 करोड़ से ज्यादा छात्रों ने इसमें भाग लिया। उन्होंने कहा कि पिछले 7 सालों में पेपर लीक नहीं हुआ है। पेपर लीक के साफ सबूत नहीं हैं। हालांकि कुछ जगह गड़बड़ी हुई है।

### परीक्षा व्यवस्था में बड़ी खामियां : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट मुद्दे पर अपनी बात रखी और कहा कि नीट विवाद से लाखों छात्र प्रभावित हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि परीक्षा व्यवस्था में बड़ी खामियां हैं और पैसे के बल पर सौदा संभव है। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में जो भी खामियां हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए।

### पेपर लीक का रिकार्ड बनाएगी सरकार : अखिलेश

लोकसभा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नीट मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि देश के कई सेंटर्स पर कई हजार बच्चे प्रवेश परीक्षा में पास हो गए हैं, लेकिन क्या सरकार ने ये जानने की कोशिश की कि उन सेंटर्स पर इंफ्रास्ट्रक्चर कैसा है? इसके जवाब में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूर्व की सरकारों में हुए पेपरलीक का मुद्दा उठाकर बचाव करने की कोशिश की और कहा कि उत्तर प्रदेश में पूर्व की सरकारों में जितने पेपरलीक हुए उन सब की सूची उनके पास है। अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार पेपर लीक का रिकॉर्ड बनाएगी।

## जलाभिषेक को उमड़े श्रद्धालु

**नोएडा (चेतना मंच)।** सावन मास के पहले सोमवार को आज जगह-जगह शिवालयों पर रूद्राभिषेक तथा जलाभिषेक किया गया।

सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर, सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर, सेक्टर-56 स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर, सेक्टर-12 स्थित कलरिया बाबा प्राचीन मंदिर, सेक्टर-22 में शिव मंदिर समेत हर सेक्टर तथा गांवों में जलाभिषेक के लिए मंदिरों में सुबह से ही शिवभक्तों का तांता लगा रहा।

जलाभिषेक करने वालों में न सिर्फ महिलाएं व युवतियां बल्कि युवा व बुजुर्ग भी नजर आ रहे थे। हालांकि कई प्रमुख मंदिरों में व्यवस्था पर नजर रखने के लिए पुलिस भी मौजूद थी। उधर आज से कांवड़ियों की भी चहलकदमी शुरू हो गयी है।

### शिवालयों के आसपास मुस्तैद रही पुलिस

श्रावण शिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा कमिश्नरेट के सभी महत्वपूर्ण स्थानों, मंदिरों आदि पर कडी सुरक्षा व्यवस्था के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया है। जिसके बाद डीसीपी ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार द्वारा सुबह से ही श्रावण शिवरात्रि पर्व के प्रथम सोमवार को देखते हुये सभी मंदिरों पर प्रभावशाली सुरक्षा व्यवस्था की गयी है एवं एडीसीपी ग्रेटर नोएडा द्वारा स्वयं भाईपुर भोलेनाथ मन्दिर पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा मन्दिर के आस पास के क्षेत्र में पैदल गश्त करते हुये सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

## पत्नी ने बच्चा पैदा करने से कर दिया इनकार

### तांत्रिक ससुर परिवार को है धमकाता

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** ग्रेटर नोएडा में एक महिला ने अपने ससुराल में कोहराम मचा रखा है महिला अपने तांत्रिक पिता के बहकावे में आकर बच्चा पैदा नहीं करना चाहती है। पीड़ित पति का आरोप है कि जब भी उसकी पत्नी गर्भवती होती है तो गर्भ गिराने की गोलियां खा लेती है पत्नी की हरकतों से तंग आकर पति ने थाना बीटा- दो में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा के गामा प्रथम सेक्टर में रहने वाले मनोज चौधरी (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी आगरा निवासी प्रिया (काल्पनिक नाम) के साथ 2021 में हुई थी। शादी के अगले दिन से ही उसकी पत्नी प्रिया का व्यवहार उसके तथा परिवार के प्रति क्रूरता पूर्ण हो गया और उसने अपना पत्नी धर्म निभाने व पालन करने से भी साफ इनकार कर दिया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

## डाक्टर ने युवती के साथ की गंदी हरकत

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** जेवर में डॉक्टर के पास ब्लड रिपोर्ट लेने गई युवती के साथ डॉक्टर ने छेड़छाड़ की। किसी तरह युवती डॉक्टर के चंगुल से निकली और परिजनों को जानकारी दी। परिजनों की शिकायत पर कलयुगी डॉक्टर के खिलाफ थाना जेवर में मुकदमा दर्ज कराया गया। जेवर के एक गांव निवासी मनोज (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी बहन 19 जुलाई को घर से जेवर टंकी वाला मोहल्ला में डॉ विनय के पास ब्लड रिपोर्ट लेने गई थी। डॉक्टर ने उसकी बहन को अकेला देखकर इलाज के नाम पर उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। डॉक्टर की मंशा को भांप कर उसकी बहन किसी तरह वहां से निकल आई और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और डॉक्टर की तलाश की जा रही है।

## ऑन डिमांड चुराते थे लग्जरी गाड़ियां

**नोएडा (चेतना मंच)।** थाना सेक्टर-113 पुलिस ने अंतर राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 6 चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की 10 लग्जरी कारें बरामद हुई हैं। पकड़े गए चोरों ने वाहन चोरी की दर्जनों घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

नोएडा जोन के डीसीपी रामबदन सिंह ने बताया कि थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा की टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-112 स्थित भारत हॉस्पिटल के पास से चोरी के फॉर्च्यूनर कार में जा रहे सोनू, मोनू, खलील, राजेश, प्रमोद, अली शेर को गिरफ्तार किया। इनके निशानदेही पर चोरी की कार, क्रेटा कार, एक ब्रेजा कार, एक स्विफ्ट कार, एक टाटा सूमो, एक इको कार सहित 10 कार बरामद की गई। डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी शातिर वाहन चोर हैं और लग्जरी गाड़ियों को निशाना बनाते हैं। इनके पास से बरामद फॉर्च्यूनर कार इन्होंने कुछ दिन पूर्व थाना क्षेत्र से चोरी की थी। पकड़े गए आरोपियों पर नोएडा दिल्ली गाजियाबाद में वाहन चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं।

## क्राइम फाईल

### स्कूल गई किशोरी का अपहरण

**नोएडा (चेतना मंच)।** घर से स्कूल के लिए निकली एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी के परिजनों ने थाना सेक्टर 63 में एक युवक पर अपहरण का शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। छिजारसी में रहने वाली सोनिया (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी (15 वर्षीय) बेटी 18 जुलाई की सुबह घर से स्कूल के लिए गई थी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

### मीडियाकर्मी से मोबाइल फोन लूटा

**नोएडा (चेतना मंच)।** थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने एक मीडिया कर्मी से मोबाइल फोन लूट लिया। मीडिया कर्मी की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मयूर विहार फेस-2 पूर्वी दिल्ली में रहने वाले बृजेश सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 19 जुलाई की रात्रि को अपने ऑफिस से सेक्टर-63 की तरफ जा रहे थे। इस दौरान पीछे से बाइक पर आए दो युवक उनका मोबाइल फोन झपटकर ले गए। (शेष पृष्ठ-4 पर)

### 9 माह बाद दर्ज हुई बैटरी चोरी की एफआईआर

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-63 में डिलीवरी देने आए एक युवक की स्कूटी से चोरों ने बैटरी चोरी कर ली। बैटरी चोरी की रिपोर्ट दर्ज करने में पुलिस को 9 माह लग गए। 9 माह बाद पुलिस ने बैटरी चोरी का मामला दर्ज किया है। मूल रूप से हाथरस के रहने वाले राहुल कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह जेप्टो में इलेक्ट्रिक स्कूटी से डिलीवरी बॉय का काम करता है। 23 सितंबर 2023 को वह स्कूटी से सेक्टर-63 में (शेष पृष्ठ-4 पर)

## जलवायु विहार के फ्लैट में चोरों ने लगाई सेंध

**नोएडा (चेतना मंच)।** चोरों ने नोएडा शहर के सुरक्षित समझे जाने वाले सेक्टर-25 जलवायु विहार में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर एक फ्लैट से लाखों रुपए मूल्य के जेवरात चोरी कर ले गए। वहीं थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र में चोरों ने एक मकान से लाखों रुपए के जेवरात व 2 लाख रुपए चोरी कर लिए। सेक्टर-25 में रहने वाली रिचा बाजपेई ने पुलिस को बताया कि वह कुछ समय पूर्व अपने गृह नगर कानपुर गई थी। 18 जुलाई की सुबह पड़ोस में रहने वाली महिला ने फोन कर उन्हें बताया कि उनके मकान का ताला टूटा हुआ पड़ा है। यह सूचना मिलने पर वह तुरंत कानपुर से नोएडा आई। उन्हें मकान का ताला टूटा हुआ मिला। उसने जब घर में पड़ताल की तो पता चला कि अलमारी के लॉकर से सोने के जेवरात गायब हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि युवती की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है। शहर के सुरक्षित समझे जाने वाले सेक्टर 25 (शेष पृष्ठ-4 पर)

# उप्र युवा व्यापार मंडल की प्रदेश कार्यकारिणी गठित

## चौथी बार निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष बने विकास जैन

**नोएडा (चेतना मंच)।** उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल प्रदेश कार्यसमिति का 2024 का चुनाव नोएडा के अग्रसेन भवन में सम्पन्न हुआ। 28 ज़िलों से लगभग 1190 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। चुनाव अधिकारी मूल चंद गुप्ता ने बताया कि लगातार चौथी बार विकास जैन को पूरे सदन ने उत्तर प्रदेश के सभी व्यापारियों की ओर से निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया।

प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि चौथे कार्यकाल में ऑनलाइन व्यापार पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करवाई जाएगी। सरकार पर एकल बिंदु टैक्स के लिए दबाव बनाया जाएगा। व्यापारिक दुर्घटना बीमा 10 लाख रुपये से 50 लाख रुपये करवाने की माँग की जाएगी। किसी भी प्रकार से व्यापारियों पर प्रताड़ना आपराधिक श्रेणी में माना जाएगा। व्यापारियों के परिवार का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। प्रदेश में यदि किसी व्यापारी पर कोई परेशानी आती है तो व्यापार मंडल हर समय उसके साथ खड़ा रहेगा। व्यापारियों के लिए हथियार के लाइसेंस बनवाने के लिए व्यापार मंडल विशेष प्रयत्न करेगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

सत्र 2024 -2025 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
NOIDA FLOWER SHOW
फ़ोन .08750611103

# बेशर्मी के दाग

तारीफ करनी होगी द्रंग, धोरण और घनेटा पंचायतों के लोगों की जो एक चाय के बागीचे को बचाने के लिए भरपूर प्रयास कर रहे हैं। आश्चर्य यह कि एक बड़ा बागीचा बिका कैसे और चाय की पत्तियों को समाधि देकर एक धार्मिक स्थान इस जमीन की किस्म को कैसे बदल रहा है। चाय के बागीचों की खरीद-फरोख्त ने पहले भी कई काले अध्याय लिखे हैं और अब भी बेशर्मी के दाग चस्पां हैं। चाय के बागीचे इसलिए भी धरोहर हैं, क्योंकि इनके साथ सौ-सवा सौ साल का इतिहास व आर्थिकी चस्पां है। अगर हिमाचल के लैंड सीलिंग एक्ट के तहत बागीचों को छूट न मिली होती, तो चाय की सारी फिजा बर्बाद हो चुकी होती। हालांकि बागीचों की मूल भावना में पूरे चाय उद्योग के संरक्षण की ख्वाहिश थी, लेकिन छोटे-बड़े प्रभाव से ये बिकते रहे और आज स्थिति यह है कि पालमपुर जैसे शहर की इमारतों के नीचे चाय की पत्तियां रो रही हैं। बागीचों को उजाडक़र बस्तियां बनाने वाले कोई साधारण लोग नहीं, बल्कि राजनीतिक हस्तियों ने ऐसी बिकवालियों में खूब हाथ रंगे हैं। कहने को सरकारों ने बागीचों की बिक्री या बिक्री के लिए अनापत्ति देने पर रोक लगाई है, लेकिन परौर के समीप धार्मिक संस्थान की मिलकीयत में यह संदिग्ध सौदा हो जाता है। हैरानी यह कि लैंड सीलिंग जैसे एक्ट के बावजूद हिमाचल में नए लैंड लॉर्ड पैदा हो रहे हैं और इनमें भी कुछ धार्मिक संस्थाओं ने अपने आश्रमों के नीचे आकार में सबसे बड़े भूमि के सौदे किए हैं। इतना ही नहीं, पूरे प्रदेश में तीन-चार धार्मिक संस्थाओं की संपत्तियों का मूल्यांकन करें तो जंगलात महकमे के बाद उनकी भी एक जमीनी सत्ता है। इससे पहले भी कुछ चाय बागीचों की खरीद-फरोख्त में धांधली के आरोप लगे और कोर्ट कचहरी तक लोग गए, लेकिन चाय की मिलकीयत में वहां भी चाय ही पैदा हो रही है, जबकि परौर के समीप बागीचों से चाय की झाडिय़ां हटा कर भूमि को समतल किया जा रहा है। पहले ही कांगड़ा चाय के बुरे दिनों पर मौसम व नीतियों की मार है, जबकि ऐसे मंसूबों से पूरी शिनाख्त ही खत्म हो जाएगी। कहां तो सरकार से यह गुजारिश है कि चाय की खेती को इसकी जड़ और इससे जुड़े श्रम तक को प्रोत्साहन मिले और कहां इसके अस्तित्व को रौंदा जा रहा है। द्रंग, धोरण और घनेटा की प्रबुद्ध जनता ने एक बड़े मसले, सामाजिक दायित्व, कानून की हद और भविष्य के प्रति परिवेश को जगाया है, तो सवाल इसकी जांच तक पहुंचते हैं। किस उद्देश्य से बागीचा बिका। किस शर्त और किस अनुमति से बिका। लैंड सीलिंग एक्ट के प्रश्रय में अब तक बचे चाय के बागीचे पर किसकी बुरी नजर लगी और ये कैसे धार्मिक संस्थान जो पैसे के दम पर जमीन पर कब्जा ही नहीं, बल्कि ऐसी खरीद से आर्थिकी की फसल उजाड़ रहे हैं। हिमाचल में धार्मिक छत के नीचे फैलते भू-माफिया पर कड़ी निगाह ही नहीं, बल्कि इनके उद्देश्यों में पनपते साम्राज्यों की भी खबर लेनी होगी। हिमाचल में यूं तो जमीन खरीदने के जरूरतमंद हिमाचली भी आवासीय भूमि पाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं और इधर चाय के बागीचे को उजाडक़र धार्मिक साम्राज्य की हदें बढ़ाई जा रही हैं। प्रदेश सरकार को मूल्यांकन करना चाहिए कि जिस जमीन को बचाने के लिए धारा 118 का मजबूत कवच बनाया गया है, उसके विपरीत धार्मिक प्रतिष्ठानों के कब्जे में आखिर बढ़ती सौदेबाजी के पीछे हैं कौन। यहां कांगड़ा के बागीचे की बिक्री से भी कहीं गंभीर प्रश्न चाय के पौधों को रौंद कर धार्मिक जलूस और जलसों का प्रबंध करना रहा है। इसके ऊपर तुरंत प्रभाव से रोक ही नहीं, बल्कि पूरे सौदे का सत्य भी जनता के सामने लाना होगा।

# रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि श्री रामजी ने सुग्रीव और विभीषण दोनों को ही अपनी शरण में रखा, यह सब कोई जानते हैं, परन्तु नाम ने अनेक गरीबों पर कृपा की है। नाम का यह सुंदर विरद लोक और वेद में विशेष रूप से प्रकाशित है उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**राम भालु कपि कटुक बटोरा। सेतु हेतु श्रमु कीन्ह न थोरा॥**
**नामु लेत भवसिन्धु सुखाहीं। करहु बिचारु सुजन मन माहीं॥**

श्री रामजी ने तो भालू और बंदरों की सेना बटोरी और समुद्र पर पुल बाँधने के लिए थोड़ा परिश्रम नहीं किया, परन्तु नाम लेते ही संसार समुद्र सूख जाता है। सज्जनगण! मन में विचार कीजिए (कि दोनों में कौन बड़ा है)॥

**राम सकुल रन रावनु मारा। सीय सहित निज पुर पगु धारा॥**
**राजा रामु अवध रजधानी। गावत गुन सुर मुनि बर बानी॥**
**सेवक सुमिरत नामु सप्रीती। बिनु श्रम प्रबल मोह दलु जीती॥**
**फिरत सनेहँ मगन सुख अपनें। नाम प्रसाद सोच नहिं सपनें॥**

श्री रामचन्द्रजी ने कुटुम्ब सहित रावण को युद्ध में मारा, तब सीता सहित उन्होंने अपने नगर (अयोध्या) में प्रवेश किया। राम राजा हुए, अवध उनकी राजधानी हुई, देवता और मुनि सुंदर वाणी से जिनके गुण गाते हैं, परन्तु सेवक (भक्त) प्रेमपूर्वक नाम के स्मरण मात्र से बिना परिश्रम मोह की प्रबल सेना को जीतकर प्रेम में मग्न हुए अपने ही सुख में विचरते हैं, नाम के प्रसाद से उन्हें सपने में भी कोई चिन्ता नहीं सताती॥

**दो0-ब्रह्म राम तें नामु बड़ बर दायक बर दानि।**
**रामचरित सत कोटि महँ लिय महेस जियँ जानि॥**

इस प्रकार नाम (निर्गुण) ब्रह्म और (सगुण) राम दोनों से बड़ा है। यह वरदान देने वालों को भी वर देने वाला है। श्री शिवजी ने अपने हृदय में यह जानकर ही सौ करोड़ राम चरित्र में से इस राम नाम को (साररूप से चुनकर) ग्रहण किया है॥

(क्रमशः..)

# अस्पतालों का बुरा हाल-मरीज बेहाल!

वैश्विक स्तरपर कोविड-19 के बाद हर देश का ध्यान बहुत ही गंभीरता से स्वास्थ्य क्षेत्र की ओर गया है। हर देश स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट का अधिक से अधिक एलोकेशन कर रहे हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उसी कड़ी में अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने की ओर हर देश आगे बढ़ रहे हैं। परंतु जहां एक और भारत देश स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की ओर तेज़ी से जा रहा है वहीं दूसरीओर निजी व शासकीय अस्पतालों में कुछ घटनाएं ऐसी हो रही है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र को शर्मसार कर रही है दिनांक 12 जुलाई 2024 को झारखंड के हुसैनाबाद के एक अस्पताल में एक छोटे से बालक के हाथ में जहां प्लास्टर या स्टेप्लांट का उपयोग किया जाना चाहिए था उसके स्थान पर हाथ को कार्टून के मोटे पेपर के सपोर्ट से बांधकर दूसरी जगह रेफर कर दिया गया, तो वही टीवी चैनल पब्लिक इंट्रेस्ट में 18 जुलाई 2024 को यूपी के हापुड़ में एक निजी अस्पताल के 26 जून 2024 का केस बताया गया जहां समरी की मांग करने पर नहीं मिली तो 112 नंबर डायल किया गया जिससे पुलिस आई तो अस्पताल व पुलिस में झमेला हुआ, एसपी डीएसपी एसएचओ का ट्रांसफर हो गया।

यूपी के ही एक केंद्रीय मंत्री की मां को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया तो 4 घंटे का बिल 4 लाख आया यह घटना 11 अप्रैल 2024 की बताई गई है, अगर एक मिनिस्टर लेवल के व्यक्ति के साथ ऐसी बातें हो रही है तो आम आदमी के साथ क्या होता होगा यह सोचने वाली बात है।मेरा मानना है कि ऐसे हजारों केस रोज़ पूरे भारत के अस्पतालों में हो रहे होंगे।मैं अपनी राइस सिटी गोंदिया में मेरे परिवार के एक केस में मैंने देखा जब महिला को डिलीवरी के लिए शासकीय अस्पताल ले जाया गया तो वहां के डॉक्टरो ने साठगांठ से भारी केस का डर दिखाकर प्राइवेट हॉस्पिटल जाने को कहा, वैसे ही मेरी सिस्टर को भी शासकीय अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल में भेजा गया था, यह खेल शायद पूरे भारत में चल रहा होगा, इसलिए अब समय आ गया है कि स्कूलों की तरह अब डीएम साहब निजी व शासकीय अस्पतालों का भी आकस्मिक दौरा करेंगे तो प्रत्येक जिले में अनेकों केस पकड़ में आएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगिता बढ़ाने के लिए दिनांक 19 जुलाई 2024 को नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की सबसे अधिक

मदद या उपयोग लेने की बात कही, इसीलिए मेरा अनुरोध है कि 23 जुलाई 2024 को आने वाले बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक एलोकेशन करने की लोगों की अपील को पूरा किया जाए, चूंकि अस्पतालों का बुरा हाल मरीजों का बेहाल हो रहा है, इसीलिए स्वास्थ्य सेवा व चिकित्सा शिक्षा के परिणामो में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाना समय की मांग है, व डिजिटल स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से पूर्ण सफलताओं की अपार संभावनाओं को रेखांकित करना जरूरी है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से दैनिक परीक्षण से लेकर उपचार योजनाओं तक चिकित्सकों को निर्णय लेने में सहयोग की संभावना है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 19 जुलाई 2024 को नीति आयोग के सदस्य व स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिवद्वारा एक कार्यक्रम में मीडिया में बयान की करें तो, संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा। यह पीएम के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार को लोकसभा में बजट पेश करेंगी। स्वास्थ्य क्षेत्र को बजट से काफी उम्मीदें हैं।नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने आईएएनएस को बताया कि देश में सबसे बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य योजना के लिए एक रिपोर्ट जारी की गई है। इसे डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और कॉरपोरेट वेलनेस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है भारत लगातार स्वास्थ्य क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किया जा रहा है। आगे चलकर इसमें टेक्नोलॉजी के प्रयोग से स्वास्थ्य सेवा में और ज्यादा सुधार होगा और नए-नए आयाम बनेंगे। आगामी बजट को लेकर उन्होंने कहा, हम सबको बजट का इंतजार है और स्वास्थ्य क्षेत्र को इस बजट से काफी उम्मीदें हैं।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केसचिव ने आईएएनएस से कहा, हम देश में एआई का बहुत उपयोग कर सकते हैं। हेल्थ सेक्टर एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सबसे ज्यादा मदद ली जा सकती है। तमाम तरह की जांच और सूचना में इसका इस्तेमाल हो सकता है।उन्होंने बजट को लेकर कहा, हमें उम्मीद है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में इस बार बजट को लेकर कई प्रावधान किए जाएंगे। हमें उम्मीद है कि नेशनल हेल्थ मिशन, नेशनल हेल्थ अथॉरिटी और एम्स हॉस्पिटल के लिए पर्याप्त बजट रखा जाएगा।

साथियों बात अगर हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई को समझने की करें तो, एआई का दायरा अब देश के हर सेक्टर में बढ़ता जा रहा है। अब इसकी डिमांड हर सेक्टर में बढ़ने लगी है।

सरकार कई इंडस्ट्रीज में एआई का तेजी से चलन बढ़ा है। सरकार फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री से लेकर ऑटो तक में इसको बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में हेल्थ सेक्टर से जुड़े लोग भी इस सेक्टर में इसे और बूस्ट करने की मांग कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हेल्थकेयर इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उसमे अगर एआई को बढ़ावा मिले तो यह और ग्रोथ कर सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इस सेक्टर में एआई और तकनीक से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ने वाली है। आने वाले समय में इसमें करीब 27 लाख रोजगार पैदा होने की संभावना जताई जा रही है।एआई हेल्थकेयर सेक्टर में कई बदलाव लेकर आया है, जो रोगी की देखभाल और क्वालिटी जीवन जीने में मदद कर सकता है। एआई टेक्नॉलिजी में तेजी से विकास, हेल्थ की देखभाल के लिए ड्रिस्ट्रीब्यूशन हो या क्लिनिकल प्रोसेस में सहजता से शामिल करके बदलाव का एक अवसर पेश करता है।क्लिनिकल सेटिंग्स में एआई कार्यप्रणाली की विस्तृत समझ इसे सफलतापूर्वक अपनाने और जरूरी संसाधनों के साथ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण है।हेल्थकेयर में एआई को शामिल करने से रोग का पता करने, उपचार का निर्णय लेने और क्लिनिकल जांच में आसानी हो सकती है। बड़े डाटासेट के साथ एआई मुश्किल स्थितियों को भी समझ सकते हैं, जिन्हें आमतौर पर विभिन्न हेल्थकेयर क्षेत्रों में मानवीय स्तर पर समझना मुश्किल होता है।

मानवीय गलती होने के खतरे को कम करने के साथ एआई, बेहद स्पष्ट रूप से प्रभावी लागत और समय की बचत करता है। इसका एप्लिकेशन रोगी के उपचार में क्रांति लाने,दवा की खुराक को अनुकूलित करने,जनसंख्या स्वास्थ्य प्रबंधन को मजबूत करने, क्लिनिकल दिशानिर्देश निर्धारित करने, वर्चुअल हेल्थकेयर सहायता प्रदान करने, मानसिक स्वास्थ्य सहायता को मजबूती देने, रोगी को जागरूक करने और रोगियों और चिकित्सकों के बीच भरोसे को बढ़ावा देने के लिए है।

**लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास**

# भारत में तेजी से हो रहा है वित्तीय समावेशन

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक एवं पेन्शन क्षेत्र के हितधारकों को शामिल करते हुए वित्तीय समावेशन सूचकांक विकसित किया है। दरअसल, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतुलनीय प्रगति को दर्शाने के लिए अब अपने सूचकांक विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है क्योंकि वैश्विक स्तर पर वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्र में कार्यरत विदेशी संस्थानों द्वारा विकसित किए गए सूचकांकों के आधार पर किए जाने वाले सर्वे में तो विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रभावशाली प्रगति की सही तस्वीर पेश नहीं की जा रही है। इन सूचकांकों के आधार पर किए गए कई सर्वे में तो आश्चर्यजनक परिणाम दिखाई देते हैं। जैसे, एक सर्वे में भुखमरी के क्षेत्र में भारत की स्थिति को अफ्रीकी देशों, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश से भी बदतर बताया गया था।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किए गए वित्तीय समावेशन सूचकांक के आधार पर मार्च 2024 के परिणाम हाल ही में जारी किए गए हैं। इन परिणामों के अनुसार, भारत में वित्तीय समावेशन मार्च 2017 में 43.4, मार्च 2021 में 53.9 एवं मार्च 2023 में 60.1 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 प्रतिशत हो गया है। यह सूचकांक भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई अतुलनीय एवं स्थिर प्रगति को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों (नागरिकों की वित्तीय संस्थानों पर बढ़ती पहुंच, वित्तीय उत्पादों का बढ़ता उपयोग एवं वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता) पर देश में वित्तीय समावेशन के संदर्भ में जानकारी को 0 से 100 तक के मान में बताता है। यदि मान कम है तो देश में वित्तीय समावेशन भी कम है और इसके विपरीत यदि मान अधिक है तो देश में वित्तीय समावेशन भी अधिक है। भारत में यह मान मार्च 2024 में बढ़कर 64.2 प्रतिशत हो गया है। उक्त वर्णित तीन आयामों में कई पैरामीटर शामिल हैं, इनका मूल्यांकन 97 संकेतकों के आधार पर किया जाता है। इस कार्यप्रणाली के कारण ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन का एक व्यापक संकेतक बन गया है। वित्तीय समावेशन सूचकांक प्रत्येक वर्ष के जुलाई माह में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है।

किसी भी देश में वित्तीय समावेशन के बढ़ने का आशय यह है कि उस देश के नागरिकों की उस देश के बैंकिंग संस्थानों तक पहुंच बढ़ रही है और यह उस देश की अर्थव्यवस्था के औपचारीकरण में मुख्य भूमिका निभाता है। वर्ष 2014 में भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू किया गया था और इस योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में गरीब वर्ग के जमा खाते खोलकर उन्हें वित्तीय समावेशन का हिस्सा बना लिया गया था। आज प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 52 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं एवं इन जमा खातों में लगभग 2.35 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है। केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा देश के गरीब वर्ग को दी जाने वाली सहायता/प्रोत्साहन राशि को भी इन खातों में आज सीधे ही जमा कर दिया जाता है, इसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है क्योंकि इससे अंततः लीकेज कम हुए है और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम लाभार्थी तक सीधे ही पहुंचे। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत के दूर दराज के इलाकों में निवासरत नागरिकों को बैंकिंग, बचत और जमा खाते, राशि हस्तांतरण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना था। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री जनधन योजना पूर्ण रूप से सफल रही है और भारत में वित्तीय समावेशन को अगले स्तर पर ले जाने में भी सहायक रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खोले गए जमा खातों को भारत की विशिष्ट पहचान प्रणाली (आधार कार्ड) से जोड़कर, केंद्र सरकार ने देश में वित्तीय लेन देन प्रणाली को सुव्यवस्थित कर लिया है एवं बैंकिंग व्यवहारों में धोखाधड़ी की सम्भावना को कम करने में भी सफलता अर्जित की है। आज भारत की प्रधानमंत्री जनधन योजना को पूरे विश्व में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना के रूप में पहिचान मिली है।

देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना को आज भी वित्तीय समावेशन के मुख्य उपकरण के रूप में माना जा रहा है और इस योजना के अंतर्गत देश के नागरिकों के खाते विभिन्न बैंकों में उसी उत्साह से लगातार खोले जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी भारत के विभिन्न बैंकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 3.3 करोड़ नए जमा खाते खोले गए हैं इससे इस योजना के अंतर्गत खोले गए कुल खातों की संख्या बढ़कर 51.95 करोड़ हो गई है एवं इन जमा खातों में 234,997 करोड़ रुपए की राशि जमा हो गई है। अब देश का एक गरीब नागरिक भी भारत की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान करता हुआ दिखाई दे रहा है। वित्तीय समावेशन के दायरे में लाए गए नागरिक वित्तीय क्षेत्र में साक्षर होने के पश्चात अब तो भारत के पूंजी बाजार (शेयर बाजार) में भी अपना निवेश करने लगे हैं एवं उनकी विभिन्न ऋण योजनाओं एवं बीमा उत्पादों तक पहुंच भी बढ़ गई है। वित्तीय सेवाओं तक इस पहुंच ने देश के नागरिकों को आर्थिक रूप से बहुत सशक्त बना दिया है, इससे अंततः यह नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य एवं छोटे व्यवसायों में निवेश करने में सक्षम हुए हैं और इस प्रकार इन नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार हुआ है। भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई उक्त वर्णित अतुलनीय प्रगति की जानकारी हम आम नागरिकों को तभी मिल पा रही है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में ही एक सूचकांक विकसित किया है। यदि वित्तीय समावेशन का सूचकांक किसी विदेशी संस्थान द्वारा तैयार किया जाता तो सम्भव है कि भारत की इस महान उपलब्धि को जानने से हम वंचित रह जाते। अब समय आ गया है कि इसी प्रकार के सूचकांक अन्य क्षेत्रों में भी भारतीय वित्तीय एवं आर्थिक संस्थानों द्वारा ही तैयार किए जाने चाहिए, ताकि हम आम नागरिकों को विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अतुलनीय प्रगति की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।

**- प्रहलाद सबनानी**
**सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक**

# राशिफल

**आषाढ़ शुक्ल पक्ष : पूर्णिमा** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
स्वास्थ्य की स्थिति पहले से बेहतर होगी। धन का आवक बढ़ेगा। प्रेम की स्थिति सुदृढ़ होगी।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
चली आ रही परेशानी दूर होगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा। प्रेम-संतान का साथ होगा। व्यापार भी बहुत अच्छा।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम रहेगा। प्रेम संतान ठीक रहेगा, व्यापार भी अच्छा है।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
रुका हुआ धन वापस आएगा। आय के नवीन साधन बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आय में सुधार होगा।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
यात्रा में लाभ होगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान, व्यापार सबकुछ बहुत अच्छा है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
महत्वपूर्ण कार्य दोपहर से पहले निपटा लें, इसके बाद समय खराब हो जाएगा। चोट-चपेट लग सकती है।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)**
स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार अच्छा है। लेकिन थोड़ी परेशानी बनी रहेगी।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
भावुकता पर काबू रखें। स्वास्थ्य करीब-करीब ठीक है। प्रेम संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी लेकिन खराब नहीं रहेगी।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)**
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। प्रेम कलह के संकेत हैं लेकिन कुछ अच्छा माहौल भी रहेगा।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, ची)**
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम संतान का साथ।

# भाजपा युवा मोर्चा की बैठक में 'कारगिल दिवस' कार्यक्रम को लेकर हुई चर्चा

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला व नोएडा महानगर की संयुक्त रूप से आगामी अभियानों 25 जुलाई को होने वाले 'कारगिल विजय दिवस' कार्यक्रम के लिए बैठक का आयोजन किया। बैठक में मुख्य अतिथि दार्जिलिंग से सांसद और भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री राजू बिष्ट उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि गौतमबुद्धनगर भाजपा जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी, भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं उत्तर प्रदेश पश्चिम क्षेत्र प्रभारी अंतर्राष्ट्रीय रेसलर श्रीमती बबीता फोगाट, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष शिवबीर सिंह भदोरिया रहे। उनके साथ मंच पर भाजयुमो प्रदेश मंत्री अरुण यादव, जिला अध्यक्ष भाजयुमो राज नागर, नोएडा महानगर अध्यक्ष रामनिवास यादव, भाजपा बिसरख मंडल अध्यक्ष मुकेश चौहान उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी ने की। और संचालन दोनों युवा मोर्चा जिला व महानगर अध्यक्षों ने किया।

युवाओं को संबोधित करते हुए राजू बिस्ट ने कहा कि आगामी 25 जुलाई को युवा मोर्चा कारगिल विजय दिवस तिरंगा यात्रा और मसाल जुलूस के साथ मनाएगा। उन्होंने कहा कि हमें आज की पीढ़ी को भारत मां की रक्षा करते हुए बाली की विधि पर चढ़े हुए वीर जवानों के अप्रतिम पराक्रम से सदैव परिचित कराते रहना होगा। संपूर्ण सभागार भारत मां की जय के नारों से गूंज मन हो उठा। भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय महामंत्री सांसद राजू बिस्ट ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के निमित्त कार्यक्रम स्थल गगन पब्लिक स्कूल में एक पौधा भी लगाया।

कार्यक्रम में जॉनी चौहान, रोबिन त्यागी, गौरव पटेल, बालेश्वर नागर, शक्ति रावल, नरेश भारद्वाज, संगीता रावल, पूजा टहनवा, कन्हिया गुप्ता, अनुभव दुबे, संजीव शर्मा, देव नागर, नवीन मिश्रा, सत्यम सिंह, प्रवीण चौहान, अर्पित मिश्रा,अमित पांडे, ऋषि तोमर, कपिल धारीवाल, उत्कर्ष मिश्रा, शिवम सिसोदिया, आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# सीटू की बैठक हुई

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** सीटू दिल्ली राज्य कमेटी कामकाजी महिला समन्वय समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सीटू से संबद्ध विभिन्न यूनियन के शीर्ष नेतृत्व के साथियों ने भाग लिया। जिनमे महिलाएं भी उपस्थित रही। सबसे पहले सीटू की राष्ट्रीय सचिव कॉमरेड क्रसिंधु ने विषय से संबंधित वक्तव्य रखा और अपने अनुभव भी साझा किए और कार्यशाला के आयोजन के लिए सीटू दिल्ली राज्य कामकाजी महिला समन्वय समिति को बधाई भी दी।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता दिल्ली उच्च न्यायालय की अधिवक्ता तारा नरूला ने विस्तार से जानकारी दी और एक्ट को लागू करने में आने वाली परेशानियों और खामियों के विषय में चर्चा की।

महिला उत्पीड़न के विभिन्न मामलों की भी चर्चा की गई। इंदू अग्निहोत्री (पूर्व निदेशक,सेंटर फॉर वूमेन डेवलपमेंट स्टडीज) ने उपरोक्त विषय पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने इस विषय में ट्रेड यूनियनों की भूमिका को मुख्य रूप से चिन्हित किया और अपने अनेक अनुभव भी साझा किए।

विभिन्न यूनियन के नेताओं ने भी विषय पर अपनी बातें रखी। दोनो वक्ताओं के द्वारा एक्ट से संबंधित शंकाओं का समाधान भी किया। कॉमरेड अनुराग सक्सेना ने महिला उत्पीड़न विषयों पर सीटू की सार्थक पहलकदमी के विषय में अपने अनुभव साझा किए।सीटू दिल्ली राज्य कमेटी और कामकाजी महिला समन्वय समिति महिला उत्पीड़न मुद्दों पर आगे भी संवेदनशील होकर कार्य करेगी।

## टप्पल में भाकियू की महापंचायत शुरू

टप्पल/ग्रेटर नोएडा। भारतीय किसान यूनियन की महापंचायत आज टप्पल अंडरपास के नीचे शुरू हो गई सर्वविदित हो कि यह महापंचायत किसनों की समस्याओं को लेकर आज आयोजित की गई है। महापंचायत के मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत मौजूद रहेंगे। यह जानकारी भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष पवन खटाना ने दी है। उन्होंने बताया कि सुबह 9.00 बजे से ही किसानों का महापंचायत स्थल पर आना शुरू हो गया था और खटाना ने कहा कि किसानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसानों को मजदूरों के साथ हो रहे भेदभाव को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महापंचायत की सफलता को लेकर कई जिलों में कार्यकर्ता कई दिनों से महाजन संपर्क कर रहे थे और आज किसानों एवं मजदूरों का हुजुम महापंचायत स्थल पर उम्र पड़ा है।

## भाजपा जिलाध्यक्ष ने लगाया एक पौधा माँ के नाम

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** भाजपा के जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने वन विभाग में खोदना खुर्द प्राइमरी स्कूल के बच्चों के साथ एक पौधा माँ के नाम की शुरूआत करते हुए पौधारोपण किया। जिसमे नीम पीपल बरगद पिलसन एवं फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया बतौर मुख्यातिथि भाजपा जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि हम सबको एक पौधा वृक्षारोपण ज़्यादा से ज़्यादा करना चाहिए जिससे कि पर्यावरण शुद्ध होता है माँ के नाम से पौधा वृक्षारोपण अवश्य करें। इस अवसर पर मुख्यरूप से जिला उपाध्यक्ष सेवानंद शर्मा महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य वन विभाग अधिकारी रामवतार चौधरी अमित आनंद आदि के साथ स्कूल के अध्यापक अध्यापिकाओं एवं बच्चों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

भारतीय जनता पार्टी ने सूरजपुर ग्रेटर नोएडा दादरी नगर दादरी देहात बिसरख जारचा बादलपुर

कासना दनकोर ज़ेवर रबूपुरा मंडलों के 1040 बूथों के मंदिरों पर महंत आचार्यों शास्त्री गुरु जनों को अंग वस्त्र फूल मालाओं के द्वारा स्वागत सम्मान गुरु पूर्णिमा पर्व पर किया भाजपा ज़िला कार्यालय पर आये महंत आचार्यों का स्वागत जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी के नेतृत्व में ज़िला कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने गुरु पूर्णिमा पर कहा किवन में सबसे पहले गुरुओं का स्थान होता है हमारेवन में बचपन में माता पिता भी गुरु होते है उसके बाद हमारे शिक्षक जो हमे शिक्षित बनाते है हमे अपने सभी धर्म गुरुओं से आध्यात्मिक मार्ग का मार्ग दर्शन मिलता है।

इस अवसर पर मुख्यरूप से ज़िला महामंत्री योगेश चौधरी, धर्मेन्द्र कोरी, मनोज गर्ग, दीपक भारद्वाज, दादरी ब्लॉक प्रमुख विजेंद्र भाटी, सेवानन्द शर्मा, सुनील भाटी, पवन रावल, पवन नागर, सतेंद्र नागर, राहुल पंडित, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, ज़िला मंत्री गुरुदेव भाटी, सत्यपाल शर्मा, अमित पंडित, अतुल गुर्जर, मंडलाध्यक्ष महेश शर्मा, राजीव सिंघल, मनोज भाटी, संजय भाटी, दिनेश भाटी, विचित्र तोमर, मुकेश चौहान, महेन्द्र नागर, हरिदत्त शर्मा, सुनील रावत, उदयवीर चौधरी आदि सभी कार्यकर्ताओं ने गुरु पूर्णिमा पर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया।

## काला दिवस मनाएंगे शिक्षामित्र

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र के जिला अध्यक्ष जगवीर भाटी के नेतृत्व में जिला कार्यालय पर बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष जगवीर भाटी ने कहा कि 25 जुलाई का दिन शिक्षामित्र के जीवन का काला दिन है। इसी 25 जुलाई 2017 को शिक्षामित्र का समायोजन रद्द हुआ था तब से शिक्षामित्र अवसाद में चल रहा है। अब तक उत्तर प्रदेश में लगभग 12000 हजार शिक्षामित्र आत्म हत्या व अवसाद में आकर जान दे चुके हैं। इसी लिए 25 जुलाई 2024 को जिला अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर मृतक शिक्षा मित्रों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। यदि जल्द से जल्द शिक्षामित्र की समस्याओं का समाधान नहीं करती है तो शिक्षामित्र आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

## श्री धार्मिक रामलीला कमेटी की हुई बैठक

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** श्री धार्मिक रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा की एक बैठक मंदिर ठाकुरद्वारा में मुख्य संस्थापक गोस्वामी सुशील महाराज की अध्यक्षता में हुई सबसे पहले गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु का सम्मान किया गया और संस्था के अध्यक्ष आनंद भाटी ने बताया विशाल दशहरा महोत्सव 2024 की तैयारी को लेकर बैठक में चर्चा की गई दशहरा महोत्सव 3 अक्टूबर से लेकर 12 अक्टूबर को विशाल दशहरा महोत्सव का आयोजन ग्रेटर नोएडा के रामलीला मैदान अछेर पाई सेक्टर में पुरी भव्यता के साथ में राजस्थान के बीकानेर और जोधपुर के कलाकारों के द्वारा सर्वश्रेष्ठ रामलीला का मंचन की तैयारी को लेकर चर्चा की गई।

इस मौके पर संस्था के संरक्षक पंडित प्रदीप शर्मा, सुशील नागर, शेर सिंह भाटी,अध्यक्ष आनंद भाटी, महासचिव ममता तिवारी, उपाध्यक्ष पवन नागर,श्रीमती रोशनी सिंह, सतबीर मुखिया, राजवीर पटवारी, फिरे प्रधान,वीरपाल मावी, श्रीमती ज्योति सिंह,विक्रम डेडा, नरेन्द्र खारी, जयदीप चौधरी आदि सदस्य उपस्थित थे।

## किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा करेगा आन्दोलन

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा की बैठक ज़ेवर क़स्बे में आर आर मे हुई जिसकी अध्यक्षता तेजवीर भगत संचालन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लौकेश भाटी ने किया।

इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर विकास प्रधान ने कहा की उत्तर प्रदेश में ज़ेवर एयरपोर्ट की बड़ी भूमिका है लेकिन यहाँ पर विकास के नाम पर अपनी ज़मीन देने वाले किसान प्राधिकरण के अधिकारियों के अड़ियल रवैये से परेशान हैं। तीसरे में अधिग्रहण होने वाले जिन गावो को शिफ्ट किया जाएगा। उन गांवों के किसान सही स्थान और व्यवस्थापन नीति एवं सभी मूलभूत सुविधाएँ प्रति परिवार को 10 लाख रुपये एक सदस्य को नौकरी सेक्टर की तर्ज़ पर विस्थापित परिवारों को बसाया जाए पहले दो चरणों में जिन गांवों को विस्थापित किया गया उनमें बहुत सारी समस्याएँ हैं तीसरे चरण में विस्थापित होने वाले परिवारों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाए। इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि ज़ेवर तहसील में किसानों को शोषण किया जा रहा है इसको लेकर जल्द किसान मज़दूर संघर्ष

मोर्चा तहसील कार्यालय पर आंदोलन करेगा। यमुना प्राधिकरण सिर्फ़ किसानों को गुमराह कर रहा है इस रवैये से किसानों में रोष है।

इस मौक़े संगठन का विस्तार करते हुए दिवाकर गॉड को ब्लॉक अध्यक्ष जेवर सुभाष शर्मा को आर आर महासचिव, योगेश शर्मा आर आर अध्यक्ष, प्रवीण छोकर ब्लॉक सचिव, देवेंद्र शर्मा ज़िला सचिव, सहित सैकड़ों लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। इस मौक़े पर विनय तालान, रविनदर प्रधान, ब्रजेश भाटी, लौकेश भाटी, नासिर प्रधान, कृष्ण नागर, विनोद मलिक, रफीक़ कुरैशी, नरेंद्र भाटी, मनीष नागर, संदीप चदीला, फिरे नागर, हरेन्द्र चौधरी, राजकुमार सागिर खा, इन्द्र पाल फौजी, जगत बीडीसी अनुज नागर, हरीश कसाना सहित आदि लोग मौजूद रहे।

## लायंस क्लब के तीसरे विजन सेंटर का शुभारंभ

**नोएडा ( चेतना मंच )।** लायंस क्लब दिल्ली कैपिटल ने अपने तीसरे विजन सेंटर की शुरुआत की। यह विजन सेंटर बादामी मार्केट बिसरख में स्थित है। कारसनी आई केयर एंड आप्टीकल में हर शनिवार सुबह 10.00से 12.00 तक आंखो की मुफ्त जांच की जाएगी । कैटरेक्ट के मरीज का मुफ्त ऑपरेशन लायंस हॉस्पिटल न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी दिल्ली में किया जाएगा। विजन सेंटर का उद्घाटन लाइन संदीप कुमार, उपजनपद गवर्नर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर लाइन के जनसंपर्क अधिकारी सचदेवा , ललित झांब जनपद विजन सेंटर अधिकारी के अलावा कैपिटल की अध्यक्ष लाइन राधा अग्रवाल सचिव, लाइन सुरेश गुप्ता ,कोषाध्यक्ष लाइन तेज प्रकाश गर्ग, लाइन उषा गर्ग, लाइन डी अग्रवाल, लाइन मोनिका मल्होत्रा उपस्थित रहे।

## वरिष्ठ पत्रकार को शोक

**नोएडा ( चेतना मंच )।** वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा की धर्मपत्नी लीला शर्मा के पिता श्यामलाल डीडवानिया का रविवार को गुरु पूर्णिमा के दिन देहावसान हो गया। वे 94 वर्ष के थे। मूल रूप से राजस्थान सीकर के रहने वाले श्यामलाल जी बिहारी मार्ग स्थित गुलाबी देवी स्कूल में कई वर्षों तक प्रधानाचार्य रहने के बाद सेवानिवृत हुए। सेवानिवृत्त होने के बाद से वे भगवान की भक्ति में लीन रहते थे। वे अपने पीछे आठ बेटी और दामाद का हंसता-खेलता भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। नवरोत्तम, कैलाश, नवरोत्तम प्रकाश, अनिल, सीताराम, राजेश शर्मा और जुगल उनके दामाद हैं। श्याम लाल नोएडा में अपनी पुत्री लीला शर्मा धर्मपत्नी राजेश शर्मा वरिष्ठ पत्रकार के साथ सेक्टर-49 स्थित हिंडन विहार में रहते थे। बीते कुछ दिनों से वह अपने पैतृक निवास सीकर में गए हुए थे जहां उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं चल रहा था। और रविवार को गुरु पूर्णिमा के दिन उन्होंने आखरी सांस ली और स्वर्ग की तरफ रुख किया। उनके निधन से पूरे परिवार में शोक व्याप्त है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी ( मेंहदीपुर ) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर ( यू पी. ) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

## डूब क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति के मुद्दे पर बगले, झांकते नजर आए एनपीसीएल के जीएम व पीआरओ

- **विद्युत नियामक की बैठक में उछला भ्रष्टाचार व डूब क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति का मुद्दा**

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की जनसुनवाई बैठक में एनपीसीएल के महाप्रबंधक (ऑपरेशन) सारनाथ गांगुली एवं एनपीसीएल के प्रवक्ता (पीआरओ) डूब क्षेत्र में हो रही बिजली चोरी के उठे मुद्दे पर पूरी तरह लीपा पोती करते रहे। बताते चलें कि गत शनिवार को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस बैठक में उद्योग, घरेलू एवं कमर्शियल उपभोक्ताओं ने नोएडा पावर कंपनी की दुर्व्यवस्थाओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

इस बैठक में उपभोक्ता परिषद ने हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में हो रहे बिजली चोरी का भी मुद्दा जोर-जोर से उठाया। कई सामाजिक संगठनों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों को भी इस बैठक में आमंत्रित किया गया था।

हर महीने डूब क्षेत्र एवं एनपीसीएल क्षेत्र के गांव में हो रही करोड़ों की बिजली चोरी पर एनपीसीएल के आला अफसर चुप्पी साधे रहे। वहीं जब मामला बिगड़ता नजर आया तो एनपीसीएल के प्रवक्ता मामले पर लीपापोती करते दिखाई दिए। एक तरफ प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा विद्युत विभाग को जवावर्दह व दुरुस्त करने का बीड़ा उठाया है वही एनपीसीएल के कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कारण सरकार को हर महीने करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। एनपीएससी के जीएम ऑपरेशन एवं प्रवक्ता की लीपा पोती का मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनारहा।

## डॉ नरेश शर्मा को मिला अंतर्राष्ट्रीय ब्रूक्लिन एवार्ड

**नोएडा ( चेतना मंच )।** डा. नरेश शर्मा को टीएएस लंदन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ब्रूक्लिन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार उन्हें शिक्षा, चिकित्सा विज्ञान, प्रशासन और अभ्यास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण और प्रयासों के लिए दिया गया है। डॉ.नरेश शर्मा अभी तक 11 किताबें लिख चुके है। 90 शोध लेख, 02 पेटेंट, 05 अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक व वैज्ञानिक संपादक भी है। उन्होंने सीसीएसयू विश्वविद्यालय से बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में बीडीएस, एमडीएस और पीएचडी की है। वह पिछले 16 वर्षों से नोएडा के सेक्टर-37, शशिकांत एन्क्लेव में अपने क्लीनिक में 12 वर्ष से कम उम्र के दंत समस्याओं वाले बच्चों का इलाज करते हैं।

## महिला से मारपीट

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना जारचा क्षेत्र के धनुवास गांव में पड़ोसी ने महिला के साथ मारपीट की। मारपीट में महिला चोटिल हो गई। ग्राम धनुवास निवासी मनवीर ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी पत्नी नीरज घर के गेट पर बैठी हुई थी। इस दौरान पड़ोस में ही रहने वाला प्रेमचंद गाली गलौज करने लगा। उसकी पत्नी ने जब इस बात का विरोध किया तो प्रेमचंद ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट में उसकी पत्नी नीरज घायल हो गई। शोर शराबा सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो प्रेमचंद जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

## दंपत्ति ने महिला के सीने पर मारी लात, अस्पताल में हुई मौत

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना रबूपुरा क्षेत्र के ग्राम कादरपुर में दंपति ने मामूली विवाद में महिला के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में घायल हुई महिला की अस्पताल में मौत हो गई। महिला के पति ने पड़ोस में रहने वाले दंपति के खिलाफ मारपीट कर हत्या करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम कादरपुर निवासी राजवीर ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 13 जुलाई की शाम को वह अपने घर के बाहर बिजली की केबल को ठीक कर रहा था। उसकी पत्नी सुखबीरी घर के बाहर खड़ी हुई थी। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले सुनील ने शराब के नशे में उसे धक्का मार दिया। सुखवीरी ने जब इस बात का विरोध किया तो सुनील गाली गलौज करने लगा। इस दौरान सुनील की पत्नी भी मौके पर आ गई। दोनों ने सुखबीरी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के मुताबिक दोनों आरोपियों ने उसकी पत्नी के सीने पर लात घुसो से वार कर उसे घायल कर दिया। गंभीर स्थिति में सुखवीरी को दनकौर स्थित सुखमल अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की हार्ट अटैक से मौत होने की बात सामने आई है।

श्रावण मास और श्रावण मास के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर, महंत व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज ने आज श्री गोरखनाथ मंदिर में देवाधिदेव महादेव के दर्शन-पूजन कर चराचर जगत के कल्याण की कामना की।

## घर में घुसकर जिंदा जलाने का प्रयास

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना ईकोटेक में एक व्यक्ति ने 6 लोगों के खिलाफ घर में घुसकर जानलेवा का हमला, लूटपाट करने तथा जिंदा जलाने का प्रयास करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने पीड़ति की रिपोर्ट दर्ज की है।

ग्राम घरबार निवासी धर्मेंद्र ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने खेतों पर कृषि कार्य के लिए गया था। खेत पर विजन सतवीर जगत भूपेंद्र विक्की आदि उसके खेत की मेंढ़ को काट रहे थे। उसने जब इस बात का विरोध किया तो सभी आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी।

इस दौरान सतवीर व जगत ने उसके ऊपर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया। किसी तरह उसने भागने का प्रयास किया। आरोपियों ने उसे पड़कर धमकी दी कि यदि आइंदा खेत पर आया तो वह उसे इतनी गोली मारेंगे की कोई शक्ल भी नहीं पहचान पाएगा। इसके बाद आरोपियों ने लाठी डंडों से उसे पर हमला बोलकर लहुलुहान कर दिया। शोर सुनकर आस-पड़ोस के लोग पहुंच गए और उन्होंने उसे आरोपियों के चंगुल से बचाया।

धर्मेंद्र के मुताबिक उसने इसकी शिकायत थाना ईकोटेक पुलिस से की। इस बात की जानकारी मिलने पर आरोपी 2 जून की रात्रि को जबरन उसके घर में घुस आए सभी आरोपी हथियारों से लैस थे।

आरोपियों ने घर में घुसते ही जान से मारने की नीयत से फायर कर परिजनों पर जानलेवा हमला कर दिया। उसकी मां जैसे ही उसे बचाने के लिए आई तो विजन व सतवीर ने उसकी मां के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए गलत नीयत से कपड़े फाड़ दिए और उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया। इस दौरान विक्की और भूपेंद्र ने घर की अलमारी को तोड़कर उसमें रखे 40000 तथा सोने चांदी के आभूषण लूट लिए और घर के सामान को तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया।

इस दौरान भूपेंद्र ने घर में रखे डीजल की केन को उठाकर आग लगाने की नीयत से डीजल छिड़क दिया शोर शराब सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह हमलावरों के चंगुल से उसे तथा परिजनों को बचाया।

## दिल्ली-आगरा से चोरी बुलेट के साथ पकड़ा

**नोएडा ( चेतना मंच )।** पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से 3 वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की 2 बुलेट मोटरसाइकिल बरामद हुई है। थाना बादलपुर प्रभारी अमरेश कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस टीम ने अंबेडकर पार्क के पास संदिग्ध अवस्था में बुलेट मोटरसाइकिल पर दो युवकों को बैठे देखा। पुलिस को देखकर दोनों युवक हड़बड़ा गए। संदेह के आधार पर युवकों से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने नाम समीर पुत्र अखलाक व साहिल पुत्र सलीम निवासी भूड गढ़ी हापुड़ बताया। पुलिसकर्मियों द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल के कागजात मांगने पर दोनों युवक कागजात नहीं दिखा पाए। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने कबूल किया कि उक्त मोटरसाइकिल चोरी की है और उन्होंने इसे दिल्ली से चोरी किया था। पुलिस टीम ने ई-चालान एप में बाइक का नंबर डालकर चेक किया तो वह मिंटू कुमार यादव के नाम पंजीकृत मिली। मिंटू कुमार यादव से बात की गई तो उसने बताया कि उसकी मोटरसाइकिल 17 जुलाई को रात्रि में चोरी हो गई थी और उसने ई पुलिस स्टेशन थाना मुखर्जी नगर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई हुई है। वहीं थाना एक्सप्रेस वे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वाजिदपुर पुश्ता पर बिना नंबर की बुलेट मोटरसाइकिल पर जा रहे हैं एक युवक को जांच के लिए रोका। पुलिस के मांगने पर वह मोटरसाइकिल के कागजात नहीं दिखा पाया। पूछताछ में बाइक सवार ने अपना नाम शहजाद पुत्र तराबुद्दीन निवासी विजयनगर मोहल्ला थाना मोदीनगर जनपद गाजियाबाद बताया। शहजाद ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उक्त बाइक चोरी की है । जांच के दौरान पता चला कि यह बुलेट मोटरसाइकिल वर्ष 2021 में आगरा से चोरी हुई थी। मोटरसाइकिल मलिक सलमान खान ने बताया कि उसने इस बारे में थाना ताजगंज आगरा में एफआईआर लिखवाई थी।

## किशोरी व युवती को भगाने वाले गिरफ्तार

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नाबालिग किशोरी व युवती को भगाने के दो आरोपियों को थाना सेक्टर 63 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने किशोरी व युवती को भी बरामद कर लिया है। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि छिजारसी गांव निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिक बेटी को पड़ोस में रहने वाला रिजवान नामक युवक भगा ले गया है। मुखबिर की सूचना पर रिजवान को गिरफ्तार का किशोरी को बरामद कर लिया गया है। इसके अलावा बहलोलपुर से युवती को भगा ले जाने के आरोपी सुहेल को भी गिरफ्तार किया गया है। बरामद किशोरी व युवती का चिकित्सा परीक्षण कराया जा रहा है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

## ससुर का दामाद ने फोड़ दिया सिर

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना दादरी क्षेत्र के नई आबादी में दामाद ने अपने भाइयों के साथ मिलकर ससुर के साथ गाली गलौज कर पिटाई की। मारपीट के दौरान वृद्ध का सर फट गया। आरोपियों के खिलाफ थाना दादरी में मुकदमा दर्ज कराया गया है। किशनगंज थाना पिलखुवा जनपद हापुड़ निवासी समीर ने दर्ज रिपोर्ट बताएं कि 17 जुलाई को उसके पिता फईमुद्दीन अपनी बेटी की ससुराल नई आबादी दादरी आए थे। यहां पर उसके जीजा खालिद और सजीन वह उसके भाई साजिद तथा आबिद ने उसके पिता के साथ गाली गलौज की। गाली गलौज का विरोध करने पर तीनों आरोपियों ने मिलकर उसके पिता के साथ मारपीट की और उनका सिर फाड़ दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## बिल्डर का कर्मचारी पैसे व सामान लेकर फरार

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना दादरी में एक बिल्डर ने अपने कर्मचारियों के खिलाफ पैसे कीमती सामान चोरी करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दादरी न्यादारगंज में रहने वाले नीरज कुमार दीक्षित ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सिविल निर्माण का कार्य करता है उनका एक साथी शंभू प्रसाद जोशी भी उनके साथ ही काम करते हैं। पूर्व अलीगढ़ में दूबे इंटरप्राइजेज आवास विकास कॉलोनी से कुछ पैसे लेने थे इसके लिए उन्होंने शंभू प्रसाद जोशी को अलीगढ़ भेज दिया 17 जुलाई की सुबह शंभू प्रसाद जोशी अलीगढ़ से पैसे लेकर दादरी आ गए। नीरज कुमार दीक्षित के मुताबिक उन्होंने शंभू प्रसाद जोशी को अलीगढ़ से लाए गये पैसों में से मजदूरों के वेतन का भुगतान करने के लिए कह दिया। इसके बाद में वह किसी काम से अपने ऑफिस से बाहर चले गए। शाम के समय जब वह वापस आए तो अलमारी में रुपये नहीं रखे हुए थे उन्होंने मजदूरों से जब पूछताछ की तो पता चला कि उन्हें भी वेतन नहीं मिला है इसके बाद उन्होंने शंभू प्रसाद जोशी को फोन किया तो उसके तीनों फॉर्म स्विच ऑफ मिले। नीरज कुमार दीक्षित के मुताबिक वह पिछले कई दिनों से शंभू प्रसाद दीक्षित को लगातार फोन कर रहे हैं लेकिन उनका मोबाइल फोन स्विच ऑफ आ रहा है। थाना प्रभारी के मुताबिक पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

## जैप्टो का स्टोर आग में जलकर खाक

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र के एक मूर्ति चौराहा के पास बने जैप्टो के स्टोर में आज सुबह आग लग गई। आग ने थोड़ी देर में पूरे स्टोर को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक आग की वजह से पूरा स्टोर जलकर खाक हो गया था। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के चीफ फायर ऑफिसर (सीएफओ) प्रदीप कुमार ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि एक मूर्ति चौराहे के पास जेप्टो के स्टोर में आग लग गई है। सूचना मिलने ही तुरंत पांच गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। फायर कर्मी जब मौके पर पहुंचे तो उन्हें पूरे स्टोर में आग फैली हुई नजर आई। आग लगने की वजह से पूरे स्टोर में धुआं भरा हुआ था। फायर कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए जेसीबी की मदद से स्टोर पर लगी शेड को हटाकर आग पर काबू पाया। सीएफओ ने बताया कि आग की वजह से पूरा स्टोर जल गया है। आग स्टोर के कोल्ड स्टोरेज में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी जिसने थोड़ी देर में पूरे स्टोर को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

## मुनाफे का लालच देकर की ठगी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** निवेश पर बेहतर मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठग ने एक व्यक्ति से 230000 रुपए ठग लिए। पैसे हड़पने के बाद आरोपी हवाला के जरिए लाखों रुपए की रकम और मांग रहा है। फर्जीवाडे की जानकारी होने पर पीड़ित ने थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर 17 निवासी राजेंद्र गर्ग ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि बीते दिनों उसके पास स्वामी नाम से एक ब्रोकर का फोन आया। उसने बताया कि अगर वह निवेश करता है तो उसे बेहतर मुनाफा होगा। स्वामी की बातों में आकर उसने अकाउंट खोल लिया और 20 हजार रुपए का चेक दे दिया। शुरुआत में प्रॉफिट के रूप में उसके खाते में 13000 ट्रांसफर किए गए। इसके बाद उसने 230000 रुपए का चेक दे दिया। पैसे देने के बाद स्वामी ने फोन कर उसे बताया कि उसके अकाउंट में 24 लाख रुपए का नुकसान हुआ है और उसे इसकी भरपाई करनी होगी। यह रकम उसे हवाला के जरिए उस तक पहुंचानी होगी। उसने जब इस बात से इनकार किया तो स्वामी ने उसे फोन पर धमकाना शुरू कर दिया। उसने जब अपने 230000 रुपए वापस मांगे तो स्वामी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पीड़ति के बैंक खाता तथा आरोपी के नंबर की जांच पड़ताल कर रही है।

## पीजी से दो लैपटॉप चोरी

**नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव के एक पीजी में किराए पर रहने वाले युवकों के कमरे से चोरों ने दो लैपटॉप व पर्स चोरी कर लिया। पीड़ित युवक ने अज्ञात चोर के खिलाफ थाना सेक्टर 113 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सर्फाबाद गांव स्थित एआरडी कंपलेक्स चौधरी पीजी में रहने वाले ऋषभ वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी आदी पटेल के साथ सरफाबाद गांव के एक पीजी में किराए पर रह रहा है। 20 जुलाई की तड़के लाइट जाने की वजह से वह कमरे का दरवाजा खुला छोड़कर सो गए। सुबह के समय जब वह नींद से जागे तो उन्हें कमरे से दो लैपटॉप व पर्स गायब मिले। पर्स में ढाई हजार रुपए रखे हुए थे। उन्होंने इसकी शिकायत पीजी संचालक से की लेकिन लैपटॉप के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पीजी तथा उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज खंगाल रही है।

## चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना बिसरख पुलिस ने एक बदमाश को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया है पकड़े गए बदमाश के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में रोजा गोल चक्कर पर चेकिंग कर रही थी इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी की चोरी की बाइक पर सवार एक बदमाश तिलपता की तरफ जाने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने टीवीएस बाइक पर सवार युवक को दबोच लिया तलाशी में इसके पास से तमंचा का कारतूस बरामद हुई। पूछताछ में पकड़े गए अपना नाम राजकुमार पुत्र कालीचरण निवासी जनपद कासगंज बताया। पूछताछ में राजकुमार ने स्वीकार किया कि उक्त बाइक चोरी की है उसने यह बाइक मई महीने में अजनारा मार्केट से चोरी की थी।

थाना प्रभारी के मुताबिक पकड़ा गया राजकुमार चोरी की बाइक पर सवार होकर आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहा था।

## घर से बिना बताए गायब हुई किशोरी

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** थाना बीटा-2 के नवादा गांव में किराए पर रहने वाले रमेश काल्पनिक नाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 9 जुलाई को उसकी 15 वर्षीय बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। वहीं थाना सेक्टर-63 में चोटपुर कॉलोनी निवासी मुकेश काल्पनिक नाम ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके बेटी को पड़ोस में रहने वाला सुहेल बहला फुसलाकर घर से भगा ले गया है। आरोपी उसकी बेटी को पूर्व में भी भाग कर ले जा चुका है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और लापता किशोरियों की तलाश कर रही है

## युवक पर गांव के दबंगों ने किया जानलेवा हमला

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** बाजार से खरीदारी कर अपने घर वापस लौट रहे युवक पर गांव के ही कुछ दबंग युवकों ने घात लगाकर हमला कर मारपीट की। आरोपियों ने युवक की कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। इस संबंध में थाना जेवर में 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

ग्राम अली अहमदपुर उर्फ गढ़ी गांव निवासी संजू शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई रविंदर अपने भतीजे प्रतीक के साथ बाजार से अपने घर आ रहा था। रविंद्र की वैगन आर कार जैसे ही गांव के बाहर प्याऊ मोड़ के पास पहुंची तो पहले से घात लगाए बैठे हरीश, आकाश, विजेंद्र, अमरीश आदि ने उसकी कार रुकवा ली और गाली गलौज करने लगे। रविंद्र ने जब गाली गलौज का विरोध किया तो चारों आरोपियों ने लाठी डंडों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने कार के शीशे भी तोड़ दिए।

शोर शराबा सुनकर जब उनका भाई हरीराम मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट कर उसे घायल कर दिया। झगड़ा होता देखकर आस पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

## कारगिल युद्ध में शहीद जांबाज को दी श्रद्धांजलि

**नोएडा ( चेतना मंच )।** भारत माँ के अमर सपूत जांबाज अमर नायक शहीद नरेन्द्र सिहं भाटी ग्राम-सेंथली, जिला गौतमबुद्धनगर की शहादत को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

आपको बतादें कि 21 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध के दौरान हिन्द पाक की सीमा पर दुश्मन से लोहा लेते हुए अपने प्राणों की आहूति देकर देश व दादरी क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले शहीद नरेन्द्र सिंह भाटी को याद किया गया। महान शहीद की याद में पच्चीस वीं शहादत दिवस का आयोजन शहीद परिवार द्वारा कराया गया। ध्वजारोहण में मुख्य रूप से राजकुमार भाटी राष्ट्रीय प्रवक्ता (समाजवादी पार्टी) राजकुमार भाटी ने शहीद के नाम पर शिक्षा संस्थान शुरू करने पर विचार किया। राजपाल सिंह लोधी, चित्तसोना प्रदेश

कार्यकारिणी सदस्य (भाजपा), अमन ठाकुर राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन (कृषकशक्ति), अमन ठाकुर ने शहीद के नाम खेल मैदान के लिए विचार रखे।

जगत सिंह उपराष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन, श्यामवीर प्रधान, हरवीर भाटी ठेकेदार, सचिन प्रधान (सैंथली), पंकज प्रधान (नंगला) सुरेन्द्र भाटी, हरेन्द्र भाटी, आशीष नागर, सौरभ नागर (रसात), अभीषेक नागर (इमलियाका) अभीषेक मनकस, अभीषेक भाटी, सुमेर भाटी (शहीद परिवार) समस्त ग्रामवासी सैंथली।

## पृष्ठ एक के शेष....

**कांवड रूट पर...**

इसे सख्ती से लागू कर रहे हैं। वकील ने कहा कि कोई औपचारिक आदेश नहीं है, बल्कि पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह एक छद्म आदेश है।

एक याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि अधिकांश लोग बहुत गरीब सब्जी और चाय की दुकान के मालिक हैं और इस तरह के आर्थिक बहिष्कार के अधीन होने पर उनकी आर्थिक मृत्यु हो जाएगी। अनुपालन नहीं करने पर दुकानदारों को बुलडोजर कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से कहा कि हमें स्थिति को इस तरह से बयान नहीं करना चाहिए कि जमीन पर जो है, उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाए। इन आदेशों में सुरक्षा और स्वच्छता के आयाम भी हैं।

सिंघवी का कहना है कि कांवर यात्राएं दशकों से होती आ रही हैं और मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध समेत सभी धर्मों के लोग उनके रास्ते में उनकी मदद करते हैं। अब आप किसी विशेष धर्म का बहिष्कार कर रहे हैं।

**स्कूल गई किशोरी...**

स्कूल की छुट्टी होने के बाद भी उसकी बेटी घर नहीं पहुंची। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। किशोरी की तलाश के दौरान उन्हें पता चला कि पड़ोस में रहने वाला रिजवान नामक युवक उनकी बेटी को अपने साथ भगा ले गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

**मीडियाकर्मी से...**

उन्होंने शोर मचाकर बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

**9 माह बाद दर्ज...**

डिलीवरी देने आया था। डिलीवरी देकर जब वह बाहर आया तो उसकी स्कूटी स्टार्ट नहीं हुई। उसने जब जांच की तो पता चला कि स्कूटी से बैटरी चोरी हो गई है। राहुल की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

**जलवायु विहार के...**

जलवायु विहार में हुई चोरी की घटना ने पुलिस गश्त पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। वहीं थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के हल्द्वानी मोड़ कृष्णा नगर कॉलोनी में रहने वाली वाले रितेश कुमार चौबे ने अपने घर से 2 लाख रुपए नगद व लाखों रुपए के जेवरात चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रितेश कुमार चौबे के मुताबिक चोरों ने 19 जुलाई की रात्रि को उसके मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

**पत्नी ने बच्चा पैदा...**

कुछ समय बाद प्रिया जब गर्भवती हुई तो उसने बिना बताए गर्भ गिराने की दवाइयां खा ल। इस बात की जानकारी मिलने पर उन्होंने जब अपनी पत्नी से बात की तो उसने बताया कि उसके पिता ने बच्चा पैदा करने से मना किया है। मनोज के मुताबिक उसकी पत्नी अक्सर अज्ञात लोगों से फोन पर बातचीत में लगी रहती थी। इस बारे में वह जब भी उससे पूछताछ करता तो वह लड़ाई झगड़े पर उतारू हो जाती थी। इसके अलावा उसकी पत्नी उसे तथा परिजनों को बिना बताए कभी भी घर से बाहर चली जाती थी। प्रिया अक्सर उसे पर मॉल में घूमने या फिजूल के खर्च करने के लिए रूपये देने का भी दबाव बनाती थी। उसके समझाने पर वह उसके तथा परिवार वालों के साथ अभद्र व्यवहार करती थी। मनोज ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने उसे तथा परिजनों को झूठे मुकदमे में फंसने की धमकी दी और कहा कि उसके पिता तांत्रिक हैं यदि उसके मन मुताबिक बातें नहीं मानी गई तो वह उसके परिवार को बर्बाद कर देंगे।

मनोज का आरोप लगाया कि 31 मार्च 2024 को उसकी पत्नी, ससुर फालसिंह, साला कुलदीप, महादीप, हरदीप व 4-5 अज्ञात लोग जबरन उसके घर में घुस आए और जान से मारने की नीयत से उसका गला दबाकर मारपीट की। इस दौरान ससुराल वालों ने उसके गले से सोने की चेन छीन ली और घर में रखे 7 लाख रुपए नगद तथा करीब 300000 रूपये के सोने चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। उसने इस संबंध में थाना बीटा दो पुलिस में शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई इसके बाद उन्होंने न्यायालय का सहारा लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित के शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

**उप्र युवा व्यापार मंडल...**

चुनाव अधिकारी ने घोषणा करते हुए कहा कि नवनीत गुप्ता को चेयरमैन, निखिल अग्रवाल प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रवीण गर्ग प्रदेश उपाध्यक्ष, सचिन गोयल प्रदेश महामंत्री, मनीष शर्मा प्रदेश सचिव, शिवा चौहान प्रदेश सचिव, अमित गोयल प्रदेश, महामंत्री राजेश जिंदल प्रदेश महामंत्री, मार्गदर्शिका डॉक्टर पल्लवी शर्मा, संरक्षक मूलचंद गुप्ता, सुभाष गर्ग, पंकज अग्रवाल, राज कुमार, मोहन लाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द्र चोपड़ा, उद्योग प्रकोष्ठ वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र मेहता उद्योग प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष विनीत मेहता प्रदेश सचिव उद्योग प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष भारत बंसल परम चौहान प्रदेश महामंत्री एडवोकेट विकल गुप्ता प्रदेश क़ानूनी सलाहकार विनय जैन प्रदेश सचिव अंकुर बंसल प्रदेश मंत्री रवि चौहान वाजिदपुर प्रदेश मंत्री गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष लघु अग्रवाल जयमंत झा हिमांशु मित्तल ज्ञानचंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल जिला महामंत्री मोती राम दीपक गोयल संदीप गुप्ता करण ग्रोवर सोविंद्र यादव गौरव सिंगल आदि घोषित किए गए। उद्योग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अंकित गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष शक्तिसिंह व प्रदीप सिंह घोषित किए गए।

उद्योग प्रकोष्ठ में जिला महामंत्री सत्यवीर सिंह प्रमोद शर्मा और भवदीय सिंह को घोषित किया गया। कानपुर से प्रदेश प्रभारी एवं कानपुर इकाई नगराध्यक्ष कपिल सबरवाल प्रदेश उपाध्यक्ष संजय टंडन प्रदेश महामंत्री सरबजीत सिंह प्रदेश मंत्री हरजीत सिंह रोमी प्रदेश संगठन मंत्री श्याम गुप्ता घोषित किए गए इस वर्ष महिला प्रकोष्ठ की टीम भी घोषित की गई जिसमें गौतमबुद्ध नगर जिला अध्यक्ष निधि सहाय वंदना गुप्ता जिला प्रभारी पूजा गर्ग उपाध्यक्ष श्रेया शर्मा जिला महामंत्री अर्चना आनद जिला महामंत्री बबीता गुप्ता कोषाअध्यक्ष कविता लोढ़ा जिला उपाध्यक्ष दीपिका चोरडिया जिला उपाध्यक्ष वे मंजू गुप्ता सूची गुप्ता आदि महिला कार्यकर्ता मनोमीत की गई। दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन दर एसोसिएशन गौतमबुद्ध नगर से राजेश जिंदल को अध्यक्ष घोषित किया गया है। ग्रेटर नोएडा व्यापार प्रकोष्ठ से रवि शर्मा को अध्यक्ष और सुरेश बंसल को उपाध्यक्ष घोषित किया गया। जिला बुलंदशहर से मुकेश गर्ग को जिला अध्यक्ष और ओम सिंगल को जिला उपाध्यक्ष घोषित किया गया।

नोएडा सेक्टर चार हरोला से सुरेंद्र अग्रवाल को अध्यक्ष घोषित किया गया। आगरा से मानक शंकर को अध्यक्ष और सुनील गांधी को उपाध्यक्ष घोषित किया गया। मिर्ज़ापुर से परेशान अगर हरी को अध्यक्ष घोषित किया गया। हापुड़ से निशु अग्रवाल को अध्यक्ष मोहित गोयल को उपाध्यक्ष और संजीव गुप्ता को महामंत्री घोषित किया गया। ग़ाजियाबाद से अंकित गुप्ता अध्यक्ष ब्रजपाल सिंह उपाध्यक्ष घोषित किया गया। मथुरा से हिमांशु गुप्ता को अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल को उपाध्यक्ष भारती वर्षाने को महामंत्री घोषित किया गया। अग्रवाल मित्र मंडल नोएडा के अध्यक्ष मुकेश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम में शिरकत की। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने कार्यक्रम में पधारे सभी व्यापारियों का पत्रकार भाइयों का और पुलिस कर्मियों का स्वागत और सम्मान किया।

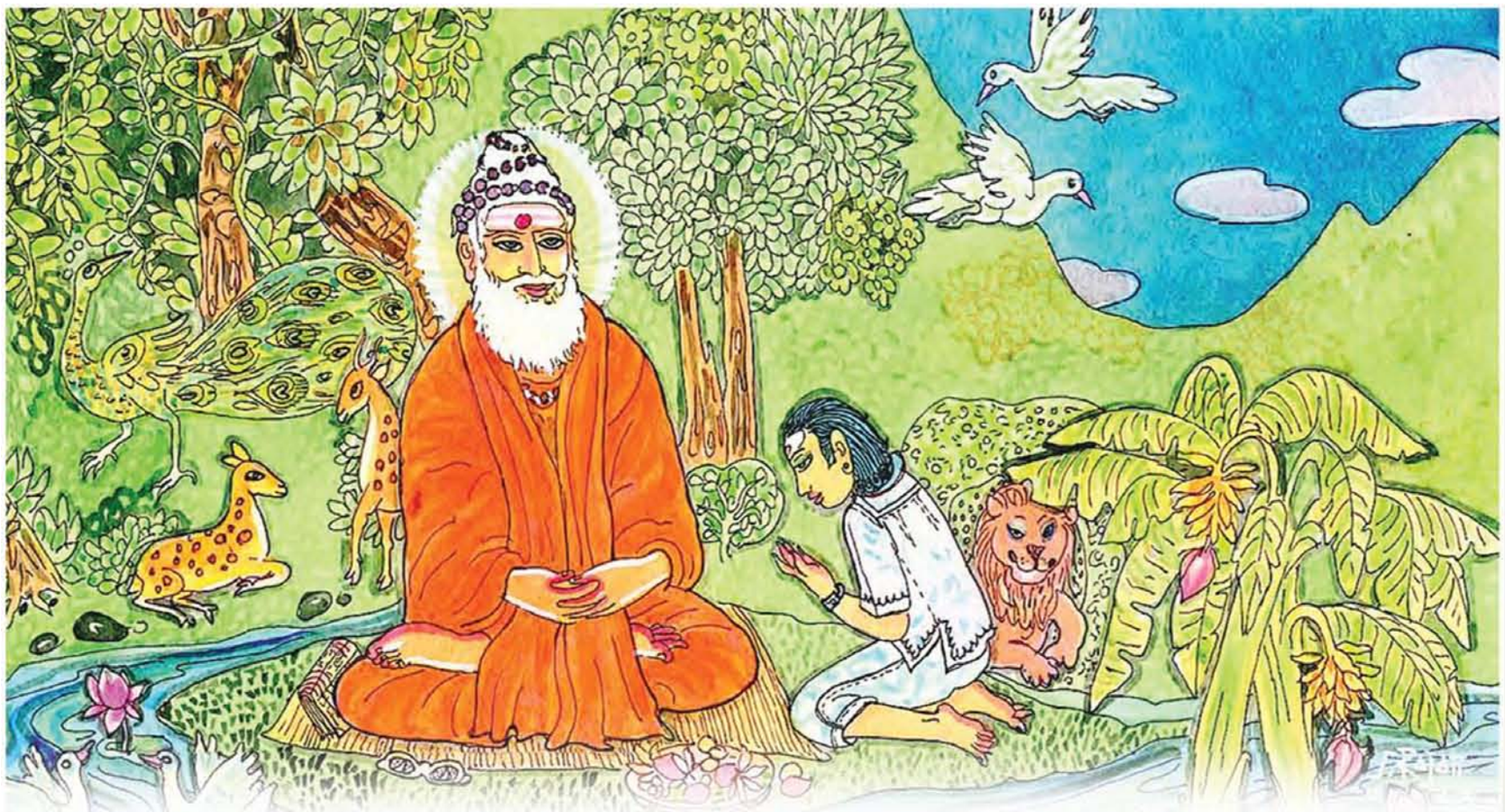

# गुरु साक्षात परब्रम्ह...

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात दो अक्षरों से मिलकर बने गुरु शब्द का अर्थ - प्रथम अक्षर गु का अर्थ- अंधकार होता है जबकि दूसरे अक्षर रु का अर्थ- उसको हटाने वाला होता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण करता है अथवा गुरु वह है जो धर्म का मार्ग दिखाता है। श्री सद्गुरु आत्म-ज्योति पर पड़े हुए विधान को हटा देता है। ओशो कहते है गुरु के बारे में कि गुरु का अर्थ है- ऐसी मुक्त हो गई चेतनाएं, जो ठीक बुद्ध और कृष्ण जैसी हैं, लेकिन तुम्हारी जगह खड़ी हैं, तुम्हारे पास हैं। कुछ थोड़ा-सा ऋण उनका बाकी है- शरीर का, उसके चुकने की प्रतीक्षा है। बहुत थोड़ा समय है। ...गुरु एक पैराडॉक्स है, एक विरोधाभास है - वह तुम्हारे बीच और तुमसे बहुत दूर, वह तुम जैसा और तुम जैसा बिलकुल नहीं, वह कारागृह में और परम स्वतंत्र।

अगर तुम्हारे पास थोड़ी सी भी समझ हो तो इन थोड़े क्षणों का तुम उपयोग कर लेना, क्योंकि थोड़ी देर और है वह, फिर तुम लाख चिल्लाओगे सदियों-सदियों तक, तो भी तुम उसका उपयोग न कर सकोगे। रामाश्रयी धारा के प्रतिनिधि गोस्वामीजी वाल्मीकि से राम के प्रति कहलवाते हैं कि-

**तुम तें अधिक गुरहिं जिय जानी।**

राम आप तो उस हृदय में वास करें- जहां आपसे भी गुरु के प्रति अधिक श्रद्धा हो। लीलारस के रसिक भी मानते हैं कि उसका दाता सद्गुरु ही है- श्रीकृष्ण तो दान में मिले हैं। सद्गुरु लोक कल्याण के लिए मही पर नित्यावतार है- अन्य अवतार नैमित्तिक हैं। संत जन कहते हैं-

**राम कृष्ण सबसे बड़ा उनहूं तो गुरु कीन्ह।**
**तीन लोक के वे धनी गुरु आज्ञा आधीन॥**

गुरु तत्व की प्रशंसा तो सभी शास्त्रों ने की है। ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका। गुरु को सभी ने माना है। प्रत्येक गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर-प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है।भारत के बहुत से संप्रदाय तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं।

गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों पर श्रद्धा से चलना उस संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य है। गुरु का कार्य नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

राजा दशरथ के दरबार में गुरु वशिष्ठ से भला कौन परिचित नहीं है, जिनकी सलाह के बगैर दरबार का कोई भी कार्य नहीं होता था। गुरु की भूमिका भारत में केवल आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही है, देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को उचित सलाह देकर विपदा से उबारा भी है। अर्थात् अनादिकाल से गुरु ने शिष्य का हर क्षेत्र में व्यापक एवं समग्रता से मार्गदर्शन किया है। अत: सद्गुरु की ऐसी महिमा के कारण उसका व्यक्तित्व माता-पिता से भी ऊपर है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार-

**यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु**

अर्थात् जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में

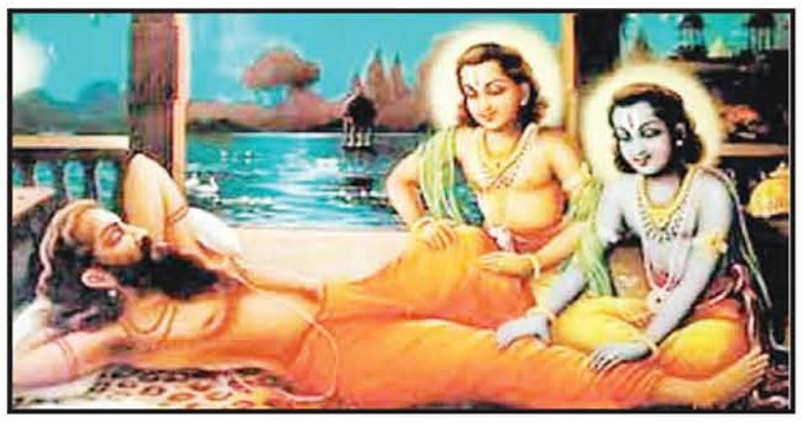

स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है। गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। संत कबीर कहते हैं-

**हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर॥**

अर्थात् भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है किंतु गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना संभव नहीं है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है उस श्री गुरु से उपनिषद् की तीनों अग्नियां भी थर-थर कांपती हैं। त्रैलोक्यपति भी गुरु का गुणगान करते है। ऐसे गुरु के रूठने पर कहीं भी ठौर नहीं। अपने दूसरे दोहे में कबीरदास जी कहते है-

**सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार लोचन अनंत, अनंत दिखावण हार।**

अर्थात् सद्गुरु की महिमा अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय-वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आंखों को ज्ञान चक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। आगे इसी प्रसंग में वे लिखते है।

**भली भई जुगुर मिल्या, नहीं तर होती हाणि।**
**दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जांणि।**

अर्थात् अच्छा हुआ कि सद्गुरु मिल गए, वरना बड़ा अहित होता। जैसे सामान्यजन पतंगे के समान माया की चमक-दमक में पड़कर नष्ट हो जाते हैं वैसे ही मेरा भी नाश हो जाता। जैसे पतंगा दीपक को पूर्ण समझ लेता है, सामान्यजन माया को पूर्ण समझकर उस पर अपने आपको न्यौछावर कर देते हैं। वैसी ही दशा मेरी भी होती। अत: सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, मुझ मनुष्य की बिसात क्या?

दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

# आदिगुरू की रात है गुरु पूर्णिमा की रात

गुरु पूर्णिमा की यह रात हमारे प्रथम गुरु, आदिगुरु की रात के रूप में जानी जाती है। मानव इतिहास में पहली बार आज के ही दिन मानव जाति को याद दिलाया गया था कि उनका जीवन पहले से तय नहीं हैं। अगर मेहनत करना चाहे तो अस्तित्व का हर दरवाजा इंसान के लिए खुला है। ज़रूरी नहीं कि इंसान साधारण-से कुदरती नियमों के दायरे में बंद रहे। सीमाओं का बंधन इंसान की सबसे बड़ी तकलीफ है। हिंदुस्तान और कुछ हद तक अमेरिका में हम जेलों में बंदियों के लिए प्रोग्राम करते रहे हैं और हर बार जेल के अंदर घुसते ही मुझे वहां की हवा में दर्द का अहसास हुआ है। ऐसा अहसास जिसका मैं कभी बयान नहीं कर सकता। मैं बहुत भावुक किस्म का इंसान नहीं हूं लेकिन ऐसा एक बार भी नहीं हुआ कि वहाँ जाकर मेरी आंखों में आंसू न उमड़े हों क्योंकि वहां की हवा में बेइंतहा दर्द है। यह सीमाओं में बंद रहने का दर्द है।

## क्या थी आदियोगी की शिक्षा?

वे दार्शनिक सिद्धांतों का बखान नहीं कर रहे थे और न ही कोई धार्मिक कट्टरता सिखा रहे थे। वे एक वैज्ञानिक विधि की बात कर रहे थे जिसके जरिये आप उन सीमाओं को मिटा सकते हैं जो कुदरत ने इंसानी ज़िंदगी के लिए बनायी हैं।

हम जो भी सीमा रेखा खींचते हैं शुरू में उसका लक्ष्य होता है सुरक्षा, लेकिन आगे चल कर अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा की ये सीमाएं हमारे ही कैद की दीवार बन जाती हैं। इन सीमाओं का कोई एक रूप-रंग नहीं है; इन सीमाओं ने बहुत-से जटिल रूप ले लिये हैं। ये महज मनोवैज्ञानिक सीमाएं नहीं हैं बल्कि आपकी हिफाज़त और खुशहाली के लिए बनी कुदरती सीमाएं हैं। इंसान की प्रकृति ऐसी है कि उसको बंधन की सीमाओं के परे गए बिना उसे सच्ची खुशहाली का अहसास नहीं होता। इंसान की दशा अजीब है ङ्क मुसीबत में होने पर वह अपने चारों ओर किले की सुरक्षा चाहता है, लेकिन खतरा टलते ही चाहता है कि ये किले गिर जायें, गायब हो जायें। अपनी हिफाज़त के लिए अपने ही द्वारा खड़े किये गये किले जब हमारे चाहने पर गिर कर गायब नहीं होते तब हम इनके अंदर बंदी जैसा महसूस करने लगते हैं और हमारा दम घुटने लगता है।

बंधन के इन किलों को अपने लक्ष्य के पाने में इस्तेमाल करना और ज़रूरत न होने पर इनको गिरा देने की काबिलियत रखना ङ्क यही शिव की शिक्षा थी। कैसे बनायें ऐसा जादुई किला जिसको कोई दुश्मन भेद न सके पर आप जब चाहें इस पार से उस पार आ-जा सकें? शिव ने बहुत-से आश्चर्यजनक तरीके बताये। बदकिस्मती से मुट्ठी-भर इंसान भी ऐसे नहीं हैं जो अपनी बंधनों की प्रकृति को समझने और उससे बाहर निकलने के तरीकों की खोज करने के लिए ज़रूरी एकाग्रता, धैर्य और दिलचस्पी रखते हों। लोग सोचते हैं कि नशीली दवाएं ले कर, सिगरेट पी कर, अच्छा खा कर या फिर अच्छी नींद ले कर इस बंदिश से छूट जायेंगे। सृष्टि के तरीके इतने सरल नहीं है। यह हिफाज़त का कितना अनोखा डिज़ाइन है! पर जो इंसान नहीं देख पाता कि यह अंदर और बाहर दोनों तरफ से बंधन है वह इसका मकसद नहीं जान पाता, क्योंकि वह कभी बाहर जा ही नहीं पाया है।

## सप्त ऋषि भी सराहनीय हैं

गुरु पूर्णिमा का दिन इस बात का उत्सव मनाने के लिए है कि आज के ही दिन पहली बार मानव जाति के लिए ऐसी नयी सोच, ऐसा असाधारण काम शुरू हुआ। मैं आदियोगी के आगे उनकी महानता के लिए सिर झुकाता हूं पर आदियोगी की सराहना से ज्यादा मेरी सराहना उन सात ऋषियों के लिए है जिन्होंने खुद को इतना ऊंचा उठाया कि आदियोगी उनको नज़र-अंदाज़ न कर सके। मुझे नहीं लगता कि किसी दूसरे गुरु को ऐसे सात लोग मिल पाये जिनके साथ वे हर मनचाही चीज़ साझा कर पाते और जो इतने काबिल होते कि उनकी बतायी हर चीज़ को ग्रहण कर पाते। अनेक योगियों और गुरुओं को बहुत अच्छे शिष्य मिले जिनके उपर उन्होंने अपनी कृपा बरसा कर उनको तृप्त किया। लेकिन किसी भी गुरु को वैसे सात शिष्य नहीं मिल पाये जिनके साथ वे अपना ज्ञान साझा कर पाते। ऐसा अब तक नहीं हुआ है.हम अब भी कोशिश कर रहे हैं।

## गुरु पूर्णिमा के दिन शुरू हुआ था ज्ञान का प्रसार

आदियोगी ने लगभग 15,000 वर्ष पूर्व, पहले योग कार्यक्रम का आरंभ किया था। आदियोगी यानी 'पहला योगी'। उन्होंने कभी अपना परिचय देने की ज़रूरत नहीं समझी, न ही लोग उनका नाम जानते थे इसलिए वे उन्हें आदियोगी के नाम से पुकारने लगे। उन्होंने अपने पहले सात शिष्यों को उपेक्षित करने की पूरी कोशिश की। आज भारत, उन सातों शिष्यों को सप्तर्षियों के नाम से जानता है। ये वे सात ऋषि हैं, जिन्हें सारे आध्यात्मिक ज्ञान का आधार माना जाता है। उन्होंने ही इसका संप्रेषण किया। उन्होंने गुरु का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बहुत प्रयास किए। गुरु ने अपनी ओर से उनकी पूरी उपेक्षा की। वे अपने योग से मिले परमानंद का उपभोग करना चाहते थे। वे उन्हें शिक्षा नहीं देना चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनके आनंद में बाधा दे, पर ये ऋषि अनेक वर्षों तक अपने हठ पर अड़े रहे। परंपराओं से मिले ज्ञान के अनुसार, वे लगभग 84 वर्ष वहीं रहे। हम नहीं जानते, पर निश्चित रूप से वे लंबे समय तक उनके इंतज़ार में रहे।

## इस साल गुरु पूर्णिमा की विशेषता

ज्ञान का संचरण अगली पूर्णिमा से आरंभ हुआ था, पर अब वह समय है, जब उन्होंने अपने सातों शिष्यों पर पूरा ध्यान दिया। यह वर्ष बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार फिर ग्रीष्म अयनांत और पूर्णिमा, एक ही दिन आ रहे हैं। यह एक दुर्लभ संयोग है। योग गाथाओं के अनुसार उन्होंने शिष्यों को 28 दिनों तक ध्यान से देखा। इसका अर्थ हुआ कि उस काल में उत्तरायण से दक्षिणायन का परिवर्तन पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस साल भी ऐसा ही हुआ है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इस वर्ष, हम सब एक साथ हैं। आपके शिक्षा तंत्र व आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमियाँ आपको भीतर की ओर मुड़ने के लिए कोई शिक्षा नहीं देतीं। वे सब आपको बाहरी तौर पर कुछ करना सिखा रही हैं ङ्क यह सब कुछ संसार को ठीक रखने के लिए है। हमने इस संसार को इतना ठीक कर दिया है कि अगर अब थोड़ा सा भी और प्रयास हुआ, तो यह संसार ही नहीं रहेगा। हमने इस संसार में जो कुछ भी प्रयत्न किए, वह मनुष्य के कल्याण के लिए थे। संसार तो ठीक हुआ पर हमें खुशहाली नहीं मिली। क्योंकि जब तक आप अपने भीतर नहीं झाँकेंगे, तब तक यह संभव नहीं हो सकता।

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात दो अक्षरों से मिलकर बने गुरु शब्द का अर्थ - प्रथम अक्षर गु का अर्थ- अंधकार होता है जबकि दूसरे अक्षर रु का अर्थ- उसको हटाने वाला होता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है।

# क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को ही गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। वैसे तो देश भर में एक से बड़े एक अनेक विद्वान हुए हैं, परंतु उनमें महर्षि वेद व्यास, जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, उनका पूजन आज के दिन किया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करता था, तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति, अपने सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यासजी ही हैं, अत: वे हमारे आदिगुरु हुए। इसीलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। उनकी स्मृति हमारे मन मंदिर में हमेशा ताजा बनाए रखने के लिए हमें इस दिन अपने गुरुओं को व्यासजी का अंश मानकर उनकी पाद-पूजा करनी चाहिए तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए गुरु का आशीर्वाद जरूर ग्रहण करना चाहिए। साथ ही केवल अपने गुरु-शिक्षक का ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है।

## क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

- प्रात: घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं.
- घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए.
- फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए.
- तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए.
- फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए.
- अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए.

## गुरु पूर्णिमा पर यह भी है खास

- गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए.
- यह पर्व श्रद्धा से मनाना चाहिए, अंधविश्वास के आधार पर नहीं.
- इस दिन वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर गुरु को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए.
- गुरु का आशीर्वाद सभी-छोटे-बड़े तथा हर विद्यार्थी के लिए कल्याणकारी तथा ज्ञानवर्द्धक होता है.
- इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है.

## खास खबर

### राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता प्रतिभागियों का सम्मान

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव शाहवेज अली ने बताया कि उप्र राज्य स्तरीय सब जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को रामगंगा विहार स्थित सोनकपुर स्टेडियम में सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में मुरादाबाद जिले के 55 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया और 23 खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर पीतलनगरी का नाम रोशन किया। इसमें स्थानीय खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण, तीन रजत व 10 कांस्य पदक जीते हैं। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी प्रेम कुमार व उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय पाठक प्रतियोगिता में पदक विजेता खिलाड़ियों मेडल पहनायी।

### सहवाग की तरह से खेलती हैं शैफाली : बांगर

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने महिला एशिया कप में भारतीय टीम को तेज शुरूआत देने के लिए युवा सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा की जमकर प्रशंसा की है। बांगर ने कहा कि शैफाली की बल्लेबाजी देखकर उन्हें वीरेंद्र सहवाग की याद आ जाती है। बांगर ने कहा, जब मैं शेफाली की बल्लेबाजी देख रहा था तो मुझे ऐसा लगा जैसे सहवाग खेल रहे हैं क्योंकि वह जिस तरह से कदमों का इस्तेमाल करती है वैसा केवल सहवाग ही करते थे। शैफाल ने अपनी आक्रामकता से पहले 6 ओवर में ही विरोधी टीम पर दबाव बना दिया। उन्होंने जो ऑफ ड्राइव खेला था। मुझे लगता है कि वो सबसे अच्छा शॉट था। बांगर ने साथ ही कहा, उनके इस शॉट से पता चलता है कि वह केवल तेजी से बल्लेबाजी ही नहीं करती हैं पर अच्छी तकनीक के साथ भी शॉट्स भी लगाती हैं। शेफाली ने अपनी 40 रनों की पारी के दौरान कुल 6 चौके और 1 छक्का लगाया था। उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी की थी। इससे भारतीय टीम ने आसानी से पाकिस्तान को हरा दिया था।

### क्रिकेटर दीपक हुड्डा शादी के बंधन में बंधे

**नई दिल्ली।** भारतीय टीम से बाहर चल रहे क्रिकेटर दीपक हुड्डा शादी के बंधन में बंध गये हैं। हुड्डा ने हिमाचल की एक लड़की को अपना जीवनसाथी बनाया है पर उसके नाम का खुलासा नहीं किया है। हुड्डा पिछले 9 साल से इस लड़की के साथ रिलेशनशिप में थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर अपने शादी की तस्वीरें भी साझा की हैं। इस क्रिकेटर ने इसके साथ ही एक एक खास संदेश भी दिया। उसने पारंपरिक रिति रिवाज के साथ की शादी की जिसमें परिवार के करीबी और उनके कुछ दोस्त भी शामिल थे। इसने शादी की तस्वीर के साथ लिखा, 9 साल के इंतजार के बाद हम विवाह मंडप तक पहुंचे। हमारे बीच का हर एक पल, हर एक सपना और सारी बातें जिसने इस खास दिन तक हमें पहुंचाया। हमें माफ कर दीजिएगा अगर हम एक दूसरे को थोड़ी ज्यादा देर तक थामे रह जाएं। हुड्डा ने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में जगह हासिल की थी। इस ऑलराउंडर ने अब तक अपने करियर में 10 एकदिवसीय और 21 टी20 मुकाबले खेले हैं।

### मंधाना ने व्हीलचेयर पर मैच देखने आई

**दाम्बुला।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ मिली सात विकेट से मिली शानदार जीत के बाद एक प्रशंसक को मोबाइल फोन उपहार में दिया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें मंधाना व्हीलचेयर पर बैठी एक छोटी सी लड़की को मोबाइल फोन देती दिख रही हैं। अपनी मां के साथ व्हीलचेयर पर आई आदिशा हेराथ तब हैरान हो गयीं जब मंधाना उनसे मिलने आई और उन्हें एक फोन उपहार में दिया। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने इसका एक वीडियो भी जारी करते हुए लिखा, ह्यह्यआदिशा का क्रिकेट के प्रति लगाव उन्हें चलने-फिरने में असमर्थ होने के बाद भी खींचकर स्टेडियम तक ले आया।

# विमेंस एशिया कप में भारत युएई को 78 रनों से हराया

**एजेंसी**

**कोलोम्बो।** डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने विमेंस एशिया कप में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। टीम ने वअए को 78 रनों के बड़े अंतर से हराया। श्रीलंका के रंगिरी दांबुला स्टेडियम में रविवार को वअए ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने पावरप्ले के अंदर ही टॉप-3 विकेट गंवा दिए थे। स्मृति मंधाना 13 रन, शेफाली वर्मा 37 और दयालन हेमलता 2 बनाकर पवेलियन लौटीं। ऐसे में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 66 रन की पारी खेलकर टीम को 201 के स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने जेमिमा रौड्रिग्स (14 रन) और रिचा घोष के साथ अर्धशतकीय साझेदारियां की। रिचा ने 220.69 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 64 रन बनाए। वे इस टूर्नामेंट में फिफ्टी बनाने वाली पहली भारतीय विकेटकीपर बनी। जवाबी पारी में वअए की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 123 रन ही बना सकीं।

### कप्तान हरमनप्रीत और रिचा की फिफ्टी

दीप्ति शर्मा को 2 विकेट मिले, जबकि रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर, तनुजा कंवर और राधा यादव को एक-एक विकेट मिले। वअए ने छठा विकेट गंवाया, हीना होतचंदानी आउट 18वें ओवर में वअए ने छठा विकेट गंवा दिया। यहां हीना होतचंदानी 8 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें दीप्ति शर्मा ने शेफाली वर्मा के हाथों कैच कराया। दीप्ति ने मैच में दूसरा विकेट लिया। वअए का स्कोर 100 रन पार 17वें ओवर में वअए ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। तनुजा कंवर के ओवर की पहली बॉल पर कविशा एगोडागे के सिंगल के साथ टीम ने 100वां रन बनाया। इस ओवर के बाद वअए का स्कोर 106/5 रहा। आधी टीम पवेलियन लौटी, राधा यादव को पहला विकेट 16वें ओवर में वअए ने 5वां विकेट गंवाया। यहां खुशी शर्मा 10 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें राधा यादव ने स्मृति मंधाना के हाथों कैच कराया। इस ओवर के बाद वअए का स्कोर 99/5 रहा। डेब्यू मैच खेल रही तनुजा कंवर को 13वें ओवर में पहला विकेट मिला। यह उनका पहला इंटरनेशनल विकेट भी है। तनुजा ने वअए की कप्तान ईशा ओझा को विकेटकीपर रिचा घोष के हाथ स्टंप कराया। विकेटकीपर रिचा घोष ने कप्तान ईशा ओझा को स्टंप कर दिया। UAE का तीसरा विकेट गिरा, समैरा धरणीधरका आउट 8वें ओवर में वएअ ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां समैरा धरणीधरका 5 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें दीप्ति शर्मा ने तनुजा कंवर के हाथों कैच कराया। इस ओवर के बाद वअए का स्कोर 43/3 रहा। UAE की खराब शुरूआत, पावरप्ले में स्कोर 31/2 202 रन चेज कर रही वअए की शुरूआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर में दो विकेट पर 31 रन बना लिए हैं। पावरप्ले के आखिरी ओवर में पूजा वस्त्राकर ने रिनिथा राजिथ को बोल्ड किया। पूजा वस्त्राकर ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में रिनिथा राजिथ को बोल्ड किया। रेणुका ने भारत को दिलाया पहला विकेट 5वें ओवर में रेणुका सिंह ठाकुर ने भारतीय टीम को पहला विकेट दिलाया। उन्होंने ओवर की दूसरी बॉल पर तीर्थ सतीश को कप्तान हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच करायाशेफाली वर्मा के साथ विकेट सेलिब्रेट करती रेणुका सिंह UAE का स्लो स्टार्ट, 4 ओवर में सिर्फ 11 रन बनाए 202 रन का स्कोर चेज कर रही वअए की शुरूआत धीमी रही। टीम की ओपनर्स 4 ओवर्स में सिर्फ 11 रन ही बना सकीं। घोष ने लगातार 5 चौके लगाकर स्कोर 200 पार पहुंचाया पारी के आखिरी ओवर की पहली बॉल पर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 66 रन बनाकर आउट हुईं। ऐसे में रिचा घोष ने हीना होतचंदानी के ओवर की आखिरी 5 बॉल पर लगातार 5 चौके लगाकर टीम का स्कोर 201 रन पहुंचाया। उन्होंने 25 बॉल पर हाफ सेंचुरी पूरी की। रिचा विमेंस एशिया कप में फिफ्टी लगाने वाली पहली भारतीय विकेटकीपर हैं। रिचा घोष ने 25 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। यह उनकी पहली हाफ सेंचुरी है।

## भारतीय क्रिकेट टीम स्टाफ के लिए अभिषेक व डोशेट के नाम तय

**एजेंसी**

**मुंबई।** गौतम गंभीर का भारतीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच बनते ही पूर्व ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड्स के रेयान टेन डोशेट का सहयोगी स्टाफ में आना तय हो गया है। इनके नाम की आधिकारिक घोषणा हालांकि किसी भी समय हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इनके नामों की मंजूरी पहले ही दे दी थी हालांकि क्षेत्ररक्षण कोच के तौर पर टी दिलीप बने रहेंगे। दिलीप प्रभावी फील्डिंग कोच के साथ-साथ ड्रेसिंग रूम के माहौल को भी सकारात्मक बनाए रखने के लिए पहचाने जाते हैं ,इसलिए बीसीसीसी ने उन्हें बदलने की गंभीर की मांग नहीं मानी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अभिषेक नायर और टेन डोशेट दोनों को सहायक कोच बनाया जाएगा। नए गेंदबाजी कोच को लेकर हालांकि अभी संशय बना हुआ है पर इसके लिए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल एक तगड़े उम्मीदवार माने जा रहे हैं। गंभीर भी उन्हें अपनी टीम में चाहते हैं। ऐसे में अगर सबकुछ ठीक रहा तो मोर्कल का गेंदबाजी कोच बनना तय है। बीसीसीआई और उनके बीच बातचीत भी हुई है। कोचिंग टीम में शामिल किए गए अभिषेक , डोशेट और मोर्कल अलग-अलग फ्रैंचाइजी में रहते हुए गंभीर के साथ आईपीएल में काम कर चुके हैं। ये केकेआर में भी गंभीर के साथ थे। वह अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एलए नाइटराइडर्स के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा भी रहे हैं। वह सीधे कोलंबो में टीम से जुड़ सकते हैं। भारतीय टीम सोमवार को श्रीलंका दौरे पर रवाना होगी और उससे पहले कोचिंग स्टाफ को लेकर आधिकारिक रुप से घोषणा हो जाएगी।

## भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम के नए कोच बने मार्केज

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** स्पेन के मनोलो मार्केज को इगोर स्टिमक की जगह भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम का नया कोच बनाया गया है। मार्केज अभी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एफसी गोवा के प्रमुख हैं। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की कार्यकारी समिति की यहां हुई एक बैठक के बाद मार्केज को कोच बनाये जाने की पुष्टि की है। एआईएफएफ ने कहा, काफी विचार-विमर्श के बाद नए मुख्य कोच के लिए मार्केज का चयन किया गया है। साथ ही कहा, मार्केज 2024-25 सत्र में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में भी बने रहेंगे। ऐसे में वह

पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय टीम का कोच बनने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ निभाएंगे। एआईएफएफ ने ये नहीं बताया है कि मार्केज के कार्यकाल कब तक रहेगा। पिछले कोच स्टिमक को विश्व कप क्वालीफायर में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए पिछले माह 17 जून को हटा दिया गया था। तभी से टीम के लिए नये कोच की तलाश की जा रही थी। नये कोच बने मार्केज 2020 से भी भारत में कोचिंग दे रहे हैं। वह अब तक दो आईएसएल क्लबों के कोच रहे हैं। 2020 से 23 के बीच हैदराबाद एफसी के कोच रहे थे। इसके बाद वह 2023 सत्र में गोवा की टीम से जुड़े थे। उनकी कोचिंग में हैदराबाद एफसी ने 2021-22 सत्र में आईएसएल खिताब जीता था। इससे पहले मार्केज स्पेन में कोचिंग देते थे। वह साल 2017 में ला लीगा की टीम लास पाल्मास के मुख्य कोच थे। मार्केज ने भारतीय टीम का कोच बनाये जाने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि वह भारत को अपना दूसरा घर मानते हैं। साथ ही कहा कि भारत और यहां के लोगों से मैं जुड़ा हुआ महसूस करता हूं। मैं जब से इस खूबसूरत देश में आया हूं तब से मैं इसका एक हिस्सा महसूस करता हूं। वहीं एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने भी कहा है कि मार्केज के आने से टीम और बेहतर होगी।

## टी20 विश्व कप फाइनल को सबसे अच्छा मैच मानते हैं अर्शदीप

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने हाल में समाप्त हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी को प्रभावित किया था। भारतीय टीम की खिताबी जीत में भी उनकी अहम भूमिका रही थी। अर्शदीप ने फाइनल को अपने करियर का सबसे अच्छा मैच बताया है। अर्शदीप ने फाइनल में 20 रन देकर चार विकेट लिए थे। अर्शदीप इन विश्वकप में कठिन हालातों के दौरान भी धैर्य नहीं खोते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए थे। इस तेज गेंदबाज ने कहा, क्रिकेटरों के लिए, हर मैच अहम है पर विश्व कप फाइनल मेरा अब तक का सबसे विशेष मैच रहा। ट्रॉफी जीतना एक सुखद अनुभव था। साथियों के साथ कप उठाने का माहौल, तीव्रता और बेहद खुशी ने इसे और भी अहम बना दिया। यह एक ऐसा क्षण है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा, यह जानकर कि हमने इतने भव्य मंच पर अपने देश को गौरवान्वित किया है मेरी खुशी बढ़ जाती है।

## आईपीएल कैपिटल्स में खेलते नजर आ सकते है ऋषभ

**एजेंसी**

**मुम्बई।** आईपीएल के अगले सत्र में विकेटीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। इसका कारण है कि दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंजाइली नये सत्र में अपने कप्तान ऋषभ पंत से करार तोड़ सकती है। हाल में उसने टीम के कोच रिकी पोंटिंग को भी हटा दिया था। ऐसे में नये सत्र में दिल्ली नये कप्तान और कोच के साथ उतरना चाहेगी। ऋषभ ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे ज्यादा रन भी बनाए हैं पर प्रबंध उनकी कप्तानी के तरीके से खुश नहीं बनाया जा रहा है माना जा रहा है कि दिल्ली फ्रैंचाइजी ऋषभ की ट्रेडिंग पर भी विचार कर सकती है। ऐसे में उन्हें सीएसके शामिल कर सकती है। सीएसके के एक अधिकारी ने कहा है कि अगर धोनी अपने आईपीएल करियर को अलविदा कहने का फैसला करते हैं तो फ्रेंचाइजी उनकी जगह पर किसी शीर्ष स्तर के विकेटकीपर को शामिल कर सकती है। माना जा रहा है कि सीएसके के अनुभवी विकेटकीपर महेन्द्र सिंह धोनी 2025 आईपीएल सत्र में नहीं खेलेंगे। ऐसे में टीम किसी अन्य विकेटकीपर की तलाश करेगी जो ऋषभ पर पूरी होगी।

## रोहित और ऋषभ हैं द्रविड़ और धोनी के प्रशंसक

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जहां भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ का काफी सम्मान करते हैं। वहीं टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं। रोहित ने कह कि द्रविड़ से मेरा रिश्ता काफी पुराना है। मैंने पहली बार जब आयरलैंड के खिलाफ खेला था तो वह टीम के कप्तान थे। वह हम सभी के लिए एक आदर्श रहे हैं। हमने देखा है कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से और टीम के लिए क्या हासिल किया है। वह हमें कठिन हालातों से बाहर निकालते रहे हैं। पूरे करियर में उनका दृढ़ संकल्प कुछ ऐसा था जिसे मैं सीखना चाहता था जब वह एक कोच के रूप में आए थे। तो ये टीम के लिए काफी अच्छा साबित हुआ। उनके मार्गदर्शन में हमने काफी सफलताएं हासिल की हैं। वहीं ऋषभ ने धोनी की प्रशंसा करते हुए कहा, धोनी न केवल मैदान पर, बल्कि मैदान के बाहर भी हमेशा मेरा समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए मौजूद रहते हैं। जब भी किसी प्रकार का संशय होता है तो वह मुझे अपनी विचार प्रक्रिया विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं। द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। वहीं धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब केवल आईपीएल में खेलते हैं।

## फिटनेस के प्रभाव को लेकर नहीं थी जानकारी : पंड्या

**एजेंसी**

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा है कि फिटनेस की वजह से क्या हो सकता है। वह ये जानते नहीं थे। माना जा रहा है कि हार्दिक की ये प्रतिक्रिया श्रीलंका दौरे के लिए कप्तान नहीं बनाये जाने की निराशा में आई है। सभी को उम्मीद थी की उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम का कप्तान बनाया जाएगा पर उनकी जगह पर सूर्यकुमार यादव को कप्तानी दे दी गयी। हार्दिक ने एक कार्यक्रम में कहा, मुझे इस बात का बिल्कुल पता नहीं था कि फिटनेस की वजह से मेरे साथ क्या हो सकता है पर मैं बस यह अनुभव करता हूं कि हमेशा हर चीज में नंबर 1 बनना है। इस आदत की वजह से मैं जब युवा था तो काफी ज्यादा ट्रेनिंग करता था, मैं अपनी हद को हमेशा ही बढ़ा रहता था, काफी ज्यादा दौड़ लगाया करता था। इसी वजह से मेरा जो आधार है वो काफी ज्यादा मजबूत है। साथ ही कहा, मुझे अपने शरीर को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं थी, ना ही इस बात का पता था कि अपनी फिटनेस को किस तरह से बेहतर किया जाए, हालांकि मेरी आधारशिला मजबूत थी और सारी आधारभूत चीजें ट्रेनिंग के दौरान सही से की थी , जिसे मुझे करना चाहिए था। इसी वजह से मुझे शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने में सहायता मिली। मैं शुरू में 130 किलो मीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करता था।

### सीआईएससीई जोनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में सेंट थॉमस मिशन स्कूल बना चैंपियन

**लखनऊ।** सेंट थॉमस मिशन स्कूल, जानकीपुरम ने सीआईएससीई जोनल बॉक्सिंग टूर्नामेंट में सर्वाधिक नौ स्वर्ण पदक जीतते हुए चैंपियन बना। वहीं माडर्न अकादमी तीन स्वर्ण के साथ दूसरे स्थान पर रहा। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बॉक्सिंग एरिना में सेंट थॉमस मिशन स्कूल, जानकीपुरम द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी अजय कुमार सेठी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या डा.रूपम दुबे ने भी पदक विजेता खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। इस टूर्नामेंट में लखनऊ जोन के विभिन्न स्कूलों की टीमों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।

## भारतीय टीम के लिए पाक आने की संभावना नहीं : महमूद

**एजेंसी**

**कराची।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष खालिद महमूद के अनुसार भारतीय टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने की कोई संभावनाएं नहीं हैं। महमूद के अनुसार उन्हें नहीं लगता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीआई) इस दौरे के लिए तैयार होगा। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के दौरे पर नहीं आने से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और आईसीसी को ही ज्यादा नुकसान होगा। इसका कारण है कि बीसीसीआई काफी धनी है और उसे कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। विश्व क्रिकेट में भी उसी का प्रभाव है। ऐसे में कोई अन्य बोर्ड उसके खिलाफ

नहीं जा सकते। ऐसे में अगर वे पाक में अपनी टीम नहीं भेजते हैं तो मुझे लगता है कि श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश की टीमें भी ऐसा ही रुख अपना सकती हैं। ये टीमें भी वैकल्पिक स्थल पर अपने मैच खेलने की मांग कर सकती हैं। उन्होंने आगे कहा, भारतीय टीम अगर पाकिस्तान का दौरा नहीं करती है तो चैम्पियंस ट्रॉफी से कम राजस्व मिलेगा पर आयोजन का खर्च बढ़ जाएगा। ऐसे में हमारे लिए केवल ये ही रास्ता है कि हम अपना पक्ष अच्छे से रखते हुए अन्य देशों के बोर्डों को अपनी साथ बनाये रखें। साथ ही कहा कि बीसीसीआई का आईसीसी में सिक्का चलता है। ऐसे में जैसे को तैसा की रणनीति अपनाने से पाक को कोई लाभ नहीं होगा।

## धोनी से पता चला कब खेल को कहना चाहिये अलविदा : शमी

**एजेंसी**

**मुम्बई।** भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि जब टीम से बाहर किये जाने की संभावना दिखने लगे तो संन्यास ले लेना ही सही रहता है। शमी ने कहा कहा कि पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से ये बात उन्हें पता चली। शमी ने आगे कहा, मैंने जब धोनी से पूछा कि एक खिलाड़ी को कब संन्यास लेना चाहिए। तो उन्होंने कहा कि खेल से बोर होने और निकाले जाने की संभावना जब लगने लगे तो संन्यास लेना ही बेहतर रहता है।
इसके अलावा जब आपको खेलते समय आनंद नहीं आता है तो भी ये एक संकेत है कि आपका सही समय आ गया है। बेहतर होगा कि आप संन्यास के लिए सबसे अच्छा समय चुनें क्योंकि अगर आप किसी विशेष प्रारूप को बनाए नहीं रख सकते हैं तो आपका शरीर आपको बताना शुरू कर देता है। यही वह समय है जब एक खिलाड़ी को मान लेना चाहिये कि अब अलविदा कहना ही सही रहेगा। हाल में टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा ने टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। गौरतलब है कि धोनी विश्व के महान विकेटकीपर बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं और खेल के तीनों ही प्रारुपों में उनका शानदार प्रदर्शन रहा है। अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में धोनी ने 44.96 की औसत से 17,266 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं, जिसमें 224 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

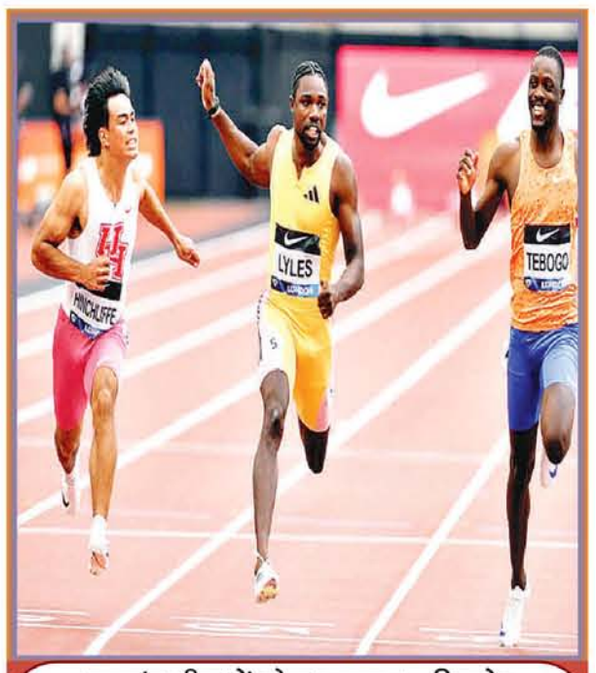


डायमंड लीग में नोहा नायल्स , फिमके बोल ने 400 मीटर बाधा दौड़ में नये रिकार्ड बनाये।

## विष्णु मांचू ने उठाया कन्नप्पा की रिलीज की तारीख से पर्दा!

कन्नप्पा विष्णु मांचू की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को और खास बनाने के लिए विष्णु मांचू पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म में कई दिग्गज सितारों की महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। विष्णु मांचू तेजी से अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं और लगातार बड़ी जानकारियां साझा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर विष्णु ने बड़ा एलान किया है। आखिरकार अभिनेता ने फिल्म की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। 18 जुलाई को विष्णु मांचू ने अपनी आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए यह जानकारी दी कि फिल्म दिसंबर 2024 में रिलीज होगी। कन्नप्पा एक पौराणिक फिल्म है, जो पूरी होने वाली है। मई में फिल्म का टीजर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। बाद में 14 जून को भारत में टीजर रिलीज किया गया और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। विष्णु मांचू ने एक्स पर कन्नप्पा की रिलीज की घोषणा की। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए लिखा, दिसंबर 2024 कन्नप्पा, हर हर महादेव। वहीं फिल्म की कहानी की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है।

## शाहिद कपूर की फिल्म देवा की रिलीज डेट में हुआ बदलाव

शाहिद कपूर की आगामी फिल्म देवा है। यह फिल्म इस साल दशहरा के मौके पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट बदल गई है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म है। मेकर्स ने आज फिल्म से शाहिद कपूर का लुक साझा किया है। इसमें अभिनेता इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। शाहिद फिल्म में पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। शाहिद कपूर के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म का पोस्टर साझा किया गया है। इसमें वह काफी रफ-टफ दिख रहे हैं। वर्दी पहने हाथ में गन थामे अभिनेता की नजर अपने लक्ष्य पर है। शाहिद कपूर की यह फिल्म बेशक एक्शन से भरपूर है, लेकिन दर्शकों के सामने यह मोहब्बत के महीने में आएगी। फिल्म वैलेंटाइन्स डे के मौके पर 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी।

शाहिद कपूर ने पोस्ट के साथ लिखा है, एक हिंसक वैलेंटाइन डे के लिए तैयार हो जाइए, देवा 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी!

## सायंतनी घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य शुरू से ही मेरा जुनून रहा है

शो दहेज दासी में अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करने वाली एक्ट्रेस सायंतनी घोष ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य शुरू से ही उनका जुनून रहा है। हालांकि उन्हें कभी भी इसे औपचारिक रूप से सीखने का मौका नहीं मिला। सायंतनी ने कहा कि जब मैं छह या सात साल की थी, तब मेरे माता-पिता ने मुझे कुछ महीनों के लिए एक सामान्य नृत्य कक्षा में डाल दिया था। उस समय आप ज्यादा कुछ सीख नहीं पाते हैं, मैं शुरू से ही यह करना चाहती थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे विशेष रूप से भारतीय शास्त्रीय नृत्य पसंद है, लेकिन अभी तक मुझे इसे सीखने का मौका नहीं मिला है। नृत्य के प्रति मेरा प्यार पहला संकेत था कि मैं एक एक्ट्रेस बनना चाहती थी। कोलकाता में पली-बढ़ी सायंतनी के स्कूल में अक्सर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के नृत्य नाटकों का प्रदर्शन किया जाता था, जिसमें नृत्य के साथ अभिनय और भावनाओं का मिश्रण होता था। सायंतनी ने बताया कि मैं अपने स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बहुत सक्रिय थी। तभी से मेरा झुकाव रचनात्मक क्षेत्र की ओर हुआ। भले ही मैंने औपचारिक रूप से नृत्य नहीं सीखा है, लेकिन मुझे यह पसंद है। बस म्यूजिक चलाने की जरूरत है, और मैं डांस करने के लिए तैयार रहती हूं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में इंडस्ट्री ने मेरे हुनर को पहचाना और उसे सम्मान दिया है। जब भी लोग ऐसी अभिनेत्रियों के बारे में बात करते हैं जो अच्छा नृत्य कर सकती हैं, तो मेरा नाम निश्चित रूप से उस सूची में आता है। अपने शो में एक डांस सीन पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि जब शो में डांस की बात आई तो मैं बेहद उत्साहित थी। उन्होंने कहा कि हम एक महा एपिसोड कर रहे थे जहां एक तांडव की आवश्यकता थी, वह काली शक्तियों को जीवंत करने के लिए तांडव कर रही थी। सबसे अच्छी बात यह थी कि मुझे इसे कोरियोग्राफ करने का मौका मिला। मेरे निर्माता जानते थे कि मैं एक अच्छी डांसर हूं और उन्होंने मुझे नृत्य को कोरियोग्राफ करने का अवसर दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि तांडव में काली शक्तियों को बुलाने के लिए अत्यधिक ऊर्जावान होना जरूरी है, और मैंने इसमें अपनी दिल और आत्मा झोंक दी। इसके बाद जो प्रतिक्रिया सामने आई वह अद्भुत थी।

## किल के लिए राघव को मिल रही तारीफ के बीच बोले अभिनेता

राघव जुयाल टीवी जगत के नामी चेहरा रहे हैं, जो कई फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। टीवी पर वह कई शोज मे डांसिंग और मेजबानी करते नजर आए हैं। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल के लिए चर्चा में हैं। इस फिल्म में वो अपने अब तक अपने सबसे अलग किरदार में नजर आए हैं। फिल्म दर्शकों को काफी पसंद भी आ रही है। कुछ दिनों पहले ही फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी, जिसमें कई बॉलीवुड हस्तियां भी शामिल हुई थीं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान राघव ने बताया कि उन्हें खुद को पर्दे पर देखना कैसा लगता है। राघव को फिल्म इंडस्ट्री से उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिल रही है। एक इंटरव्यू के दौरान राघव जुयाल ने किल को मिली सफलता और उनके अभिनय को लेकर मिल रही प्रतिक्रिया पर बात की है। उन्होंने इस दौरान खुलासा करते हुए बताया कि उनकी अभिनेता विक्की कौशल ने व्यक्तिगत रूप से सराहना की है। इस दौरान विक्की ने उन्हें फोन भी किया। फोन पर उन्होंने लगभग एक घंटे तक राघव से बातचीत भी की। उनके अभिनय को मिल रही सराहना के बीच अभिनेता ने कहा कि उन्हें खुद को पर्दे पर देखना अटपटा लगता है। उन्होंने कहा, जब मैं खुद को पर्दे पर देखता हूं, तो मुझे काफी अटपटा सा लगता है। मैं खुद को अभिनय करता हुआ नहीं देख सकता।

## म्यूजिक को जिंदगी मानते हैं आयुष्मान

अभिनेता आयुष्मान खुराना बॉलीवुड में अलग तरह की फिल्में करने के लिए मशहूर हैं। फिल्म विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, विक्की डोनर के बाद अभिनेता की कई फिल्में फ्लॉप लिस्ट में भी शामिल हुई। अब अभिनेता ने अपने फिल्मी करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। हाल ही में, आयुष्मान खुराना ने अपना नया सिंगल रिलीज किया था, जिसका नाम है रह जा। आयुष्मान ने न सिर्फ इस गाने को लिखा है, बल्कि इसे कंपोज भी किया है और गाया भी है, जिसमें हरजोत कौर को फीमेल वोकल्स का श्रेय दिया है। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिहाइंड द गीत वीडियो जारी किया, जिसमें इस गाने को बनाने के पीछे की झलक दिखाई गई। आयुष्मान से पूछा गया, आपके जीवन में संगीत का क्या महत्व है? इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, यह मेरा जीवन है। मैं संगीत के बिना काम नहीं कर सकता। मैं फिल्मों के बिना रह सकता हूं, लेकिन मैं संगीत के बिना नहीं रह सकता। आयुष्मान द्वारा लिखित, गाया गया सबसे लोकप्रिय गाना उनकी पहली फिल्म विक्की डोनर का पानी दा रंग है। इसके बाद उन्होंने रोहन सिप्पी की फिल्म नौटंकी साला में साडी गली आजा और तू ही तू गाना गाया। उनके कुछ और लोकप्रिय फिल्म ट्रैक हैं, दिल-ए-नादान और मोह मोह के धागे का रीप्राइज हारेया, मेरे लिए तुम काफी हो और फिल्म शुभ मंगल सावधान से अरे प्यार कर ले। वर्कफ्रंट की बात करें को फिलहाल आयुष्मान खुराना का फोकस अपने म्यूजिक करियर पर है। उन्होंने वार्नर म्यूजिक इंडिया से हाथ मिलाया है। उनका गाना अंख दा तारा हाल ही में रिलीज हुआ, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस आयुष्मान को एक बार फिर बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं।

## नोरा फतेही ने पूरी की रेट्रो सॉन्ग की शूटिंग, वरुण तेज की मटका के अगले शेड्यूल पर आया अपडेट

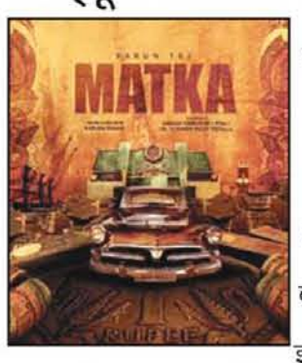


वरुण तेज की आगामी पीरियड एक्शन फिल्म मटका को लेकर प्रशंसकों में उत्साह बरकरार है। इसी बीच इसके शूटिंग शेड्यूल पर बड़ा अपडेट सामने आया है। निर्माताओं ने इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे प्रशंसकों को एक और बड़ी खुशखबरी सुनाई है। फिल्मांकन का एक चरण पूरा हो चुका है। साथ ही अगले शेड्यूल की भी जानकारी सामने आ गई है। मटका के निर्माताओं ने फिल्म का एक दिलचस्प पोस्टर जारी किया है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, मटका आरएफशी शेड्यूल पूरा हो गया। टीम ने आरएफसी में लंबा और महत्वपूर्ण शेड्यूल पूरा कर लिया है, जिसमें कई महत्वपूर्ण दृश्य, हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस और विद्युत् रेट्रो-थीम वाले गाने शूट किए गए। नया शेड्यूल वर्तमान में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अधिक रोमांचक अपडेट जल्द ही लोड हो रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पोस्टर में नजर आ रहीं महिला कोई और नहीं बल्कि अभिनेत्री नोरा फतेही हैं, जो तेलुगु फिल्म का हिस्सा भी हैं। जानकारी के अनुसार, उन्होंने हाल ही में एक रेट्रो गाने की शूटिंग की है। निर्माताओं ने यह भी घोषणा की है कि मटका का नया शेड्यूल फिलहाल विजाग में चल रहा है। वरुण तेज फिल्म में अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जिसके लिए उन्हें अलग-अलग मेकओवर से गुजरना होगा क्योंकि कहानी 1958 से 1982 तक तक फैली हुई है।

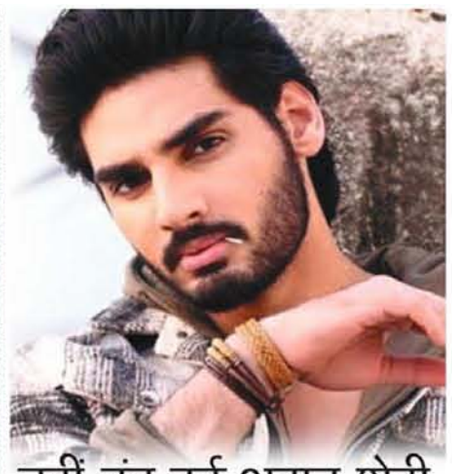

## नहीं बंद हुई अहान शेट्टी की सनकी, अफवाहों पर लगा विराम

अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सनकी को लेकर जोर शोर से तैयारियां कर रहे हैं। इस फिल्म को साजिद खान के प्रोडक्शन हाउस की ओर से बनाया जा रहा है। हाल ही में इस फिल्म का एलान किया गया था, जिसके बाद लोग सोशल मीडिया पर इसको लेकर अपना उत्साह भी व्यक्त किया था। हालांकि, इसके बाद फिल्म की शूटिंग को लेकर कोई अपडेट नहीं आया। इस बीच 16 जुलाई को एक रिपोर्ट छपी कि अहान शेट्टी के खर्चों को देखते हुए साजिद नाडियाडवाला फिर से विचार रहे हैं कि इस फिल्म को शुरू करना है या नहीं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब फिल्म के निर्माता ने इन अफवाहों पर विराम लगाते हुए सनकी से जुड़ा बड़ा अपडेट दिया है। नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक हैंडल ने इन अफवाहों को संबोधित करते हुए पोस्ट में लिखा, हम 18 अगस्त को सनकी शुरू कर रहे हैं। हम सभी मीडिया घरानों से अनुरोध करते हैं कि वे ऐसी अफवाहों से बचें और प्रकाशन से पहले हमारे साथ खबर को सत्यापित करें। इससे पहले हाल ही में एक समाचार पोर्टल में सूत्र के हवाले से यह खबर छपी थी कि साजिद नाडियाडवाला अभिनेता अहान शेट्टी के साथ काम करने वाली उनकी टीम के लोगों के अत्यधिक खर्चों की वजह से फिल्म को शुरू करने को लेकर असमंजस में हैं।

## किल में राघव जुयाल के एक्शन के मुरीद हुए विक्की

राघव जुयाल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म किल की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। फिल्म की रिलीज के बाद हर कोई राघव के अभिनय की खूब सराहना कर रहा है। इस बीच, हाल ही में, एक इंटरव्यू में राघव ने खुलासा किया कि कैसे अभिनेता विक्की कौशल को उनकी फिल्म काफी पसंद आई है। राघव ने बताया कि विक्की ने उनसे फोन पर बात कर उनके अभिनय की तारीफ की थी। हाल ही में बात करते हुए राघव जुयाल ने फिल्म की सफलता और इंडस्ट्री से मिल रही प्रतिक्रिया पर बात की। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से मिली प्रतिक्रिया शानदार रही है। अभिनेता ने बताया, विक्की कौशल भाई को फिल्म और मेरा अभिनय इतना पसंद आया कि उन्होंने मेरे साथ एक घंटा बात की और मुझसे पूछा कि मैंने फिल्म के लिए कैसे तैयारी की और मैं अपने किरदार में इतना अंदर कैसे जा सकता हूं। राघव ने आगे कहा, मुझे समझ में नहीं आया कि मैं उन्हें क्या जवाब दूं, क्योंकि मैंने बस वही किया जो स्क्रिप्ट में लिखा था। अब भी, जब मैं खुद को स्क्रीन पर देखता हूं.. तो मुझे बहुत काफी हैरत होती है। मैं खुद को परफॉर्म करते हुए नहीं देख सकता। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में 5 जुलाई को राघव ने एक छोटी क्लिप पोस्ट की थी, जिसमें वे किल फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान विक्की कौशल के साथ खुलकर बातचीत करते नजर आए थे। बातचीत करते हुए दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी और दोनों ब्लैक ड्रेस में ट्विनिंग कर रहे थे।

## करण जौहर की अगली फिल्म में एक साथ नजर आएंगे जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर

शशांक खेतान की फिल्म धड़क में बॉलीवुड में डेब्यू करने के छह साल बाद, जान्हवी कपूर और ईशान खट्टर एक बार फिर स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। यह रीयूनियन धर्मा प्रोडक्शंस के सौजन्य से हो रहा है, जिसमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नीरज घायवान मुख्य भूमिका में हैं। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन में है और इस अक्टूबर में भोपाल में फिल्मांकन शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म में विशाल जेठवा भी होंगे, जिन्हें पहले टाइगर 3 में देखा गया था। रिपोर्ट में इस आगामी प्रोजेक्ट को भावनात्मक मानवीय नाटक बताया गया है। फिल्म कपूर और खट्टर दोनों के लिए एक नया दृष्टिकोण पेश करती है। विकास से जुड़े एक सूत्र ने साझा किया, यह एक अच्छी तरह से लिखा गया, कलाकारों से भरा नाटक है जिस पर नीरज घायवान पिछले दो सालों से काम कर रहे हैं। जान्हवी और ईशान दोनों ही निर्देशक के काम की बहुत प्रशंसा करते हैं और जल्दी से इस फिल्म में शामिल हो गए क्योंकि इसमें उन्हें ऐसी भूमिकाएँ दी गई हैं जो धड़क में उनके द्वारा निभाई गई भूमिकाओं से बिल्कुल अलग हैं। वे अपनी पहली फिल्म के बाद से एक बार फिर साथ काम करने के लिए उत्सुक थे और नीरज की फिल्म में एक साथ काम करने का सही तरीका पाकर रोमांचित हैं।

## श्रीजिता डे को उतरन से मिली पहचान

अभिनेत्री श्रीजिता डे अपना जन्मदिन मना रही हैं। श्रीजिता कई टीवी शो में काम कर चुकी हैं, उन्हें उतरन सीरियल में मुक्ता राठौर के किरदार के लिए खासतौर से जाना जाता है। वह रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 16 में भी हिस्सा ले चुकी हैं। श्रीजिता ने शो कसौटी जिंदगी की से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2008 में वह बॉलीवुड फिल्म टशन में पार्वती के रोल में नजर आईं श्रीजिता अन्नू की हो गई वाह भाई वाह, तुम्ही हो बंधु, सखा तुम्ही और कोई लौट के आया है जैसे शो में भी काम कर चुकी हैं।

# गुरु पूर्णिमा पर भाजपा नेताओं ने पुरोहित का लिया आशीर्वाद

**नोएडा ( चेतना मंच )।** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नोएडा भारतीय जनता पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं ने सभी मंडलों के मठ, मंदिर, देवस्थान तथा आस्था अराधना, शिक्षा ग्रहण जैसे स्थान आश्रम आदि पर पहुंच कर संत, पुजारियों, पुरोहितों, गुरूजनो का चरण वंदन किया तथा गुरु दक्षिणा दान करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस मौके पर बालाजी मंदिर सेक्टर-126 में जिला प्रभारी कांता कर्दम, जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने भाजयुमो महामंत्री उमेश त्यागी एवम उपाध्यक्ष मनीष शर्मा के साथ भगवान बालाजी का चरण स्पर्श करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके साथ वहां के पुरोहित जी का अंगवस्त्र से सम्मान किया।

यह कार्यक्रम आज सभी मंडलों में आयोजित हुआ जहां सभी कार्यकर्ताओं ने मंदिर में जा कर भगवान के दर्शन किए साथ ही वहां मौजूद गुरुओं का आशीर्वाद लिया।

इस मौके पर उनके साथ विनोद शर्मा, उमेश यादव, प्रमोद बहल, अशोक मिश्रा, शिवानी शरद, मधु मेहरा, रवि मिश्रा, सतेंद्र सिरोही, रचना जैन, पंकज झा, निर्मल सिंह, गोपाल गोड, सत्यनारायण महावार, अमित नागपाल आदि कार्यकर्ता साथ रहे।

# महर्षिनगर में धूमधाम से मना गुरु पूर्णिमा महोत्सव

**नोएडा ( चेतना मंच )।** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भंगेल स्थित महर्षि नगर के उत्सव भवन में वैदिक पंडितों ने रुद्राभिषेक कर विधि-

विधान से अनुष्ठान किया। इसके अलावा पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए संस्था के मीडिया प्रभारी एके लाल ने बताया कि वैदिक पंडितों और श्रद्धालुओं ने अपने-अपने गुरुओं की भी पूजा-अर्चना की।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के प्रभारी शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान महर्षि महेश योगी के प्रवचन के टेप का प्रसारण किया गया। जिसमें उन्होंने अपने गुरू स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती सहित समस्त गुरुपरंपरा और जीवन में गुरु की भूमिका पर प्रकाश डाला।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के अधिकारी श्रीकांत ओझा ने बताया कि संस्था को वन विभाग के अधिकारियों द्वारा महर्षिनगर में तीस हजार पौधे लगाने के लिए महर्षि संस्थान को दिया गया था। महर्षि संस्थान में गुरु पूर्णिमा पर उन पौधों का रोपण किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महर्षि यूनिवर्सिटी के चांसलर अजय प्रकाश थे। गुरु पूर्णिमा और पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान विनोद श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, राजीव अरोरा, अरुन मिश्रा, यादवेंद्र यादव, शिशु पाल यादव, सोनू यादव, संतोष श्रीवास्तव, कमलेश यादव, अजित यादव, एसपी गर्ग, ललन पाठक विनोद दीक्षित, नरेंदर सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# शहीदों को दी श्रद्धांजलि आतंकवाद का पुतला फूंका

**नोएडा ( चेतना मंच )।** आतंकवाद विरोधी मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा जम्मू कश्मीर में मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने इस मौके पर आतंकवाद का पुतला फूंका और आतंकवाद को ठोस तरीके से कुचलने की मांग की।

मोर्चा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ विनोद भारद्वाज एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेंद्र पंडित के नेतृत्व में पदाधिकारी व कार्यकर्ता सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में शहीद हुए 11 जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर आतंकवाद का पुतला फूंका। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ भारद्वाज ने कहा कि जम्मू कश्मीर में लगातार बढ़ रही आतंकियों की गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी आवश्यक है। उन्होंने जम्मू कश्मीर में पुलिस व सेना की संख्या बढ़ाने की भी मांग की जिससे आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेंद्र पंडित ने कहा कि आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूर्व की भांति पाकिस्तान में स्ट्राइक ऑपरेशन कर जवाब दिया जाए जिससे पाक की नापाक हरकतों पर अंकुश लग सके।इस अवसर पर मोर्चा के जिला अध्यक्ष हरवीर यादव, कमल पाल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

# सेक्टर-23 में किया पौधारोपण

**नोएडा ( चेतना मंच )।** मोदी जी के आदर्शों पर चलते हुए सेक्टर-23 नोएडा के निवासियों द्वारा ग्रीन योर नेबरहुड अभियान के अंतर्गत 21 जुलाई को वृक्षारोपण किया गया।

ए. ब्लाक की ग्रीन बेल्ट में आमला, जामुन तथा बेलपत्र आदि के पेड़ लगाये गये।

इस अवसर पर नोएडा वन विभाग के डायरेक्टर आनंद मोहन तथा डेप्युटी डायरेक्टर जितेंद्र का सबने धन्यवाद किया जिनके अथक प्रयासों से ये वृक्षारोपण का आयोजन सम्भव हो पाया। पदाधिकारी कामेश्वर राठी तथा धन सिंह ने सबको अपना अमूल्य योगदान दिया चाहे वो पौधे उपलब्ध कराना हो या गड्ढे खुदवाना हो। पर्यावरण के प्रति लोगों को सचेत करने के लिए सेक्टर वासी अपना समय हमेशा देते रहेंगे तथा देश के जिम्मेदार व्यक्ति होने का कर्तव्य निभाएंगे।

इस वृक्षारोपण महोत्सव में वीरेंद्र सहगल, पूनम सहगल, रेणु छिब्बर, नीता तांबे, वसुधा सहगल,रेणु सिंघल, वरदान, विधि, दक्ष तथा ध्रुवी आदि उपस्थित थे।

# मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

**नोएडा ( चेतना मंच )।** गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सामुदायिक केंद्र सेक्टर-34 में फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 द्वारा विधासाइन एकेडमी के सहयोग से गत वर्षों की भाँति सेक्टर-34 के 10 वी एवं 12 वीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 60 विद्यार्थियों को सम्मानित किया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त नोएडा राम बदन सिंह और पुलिस उपायुक्त (क्राइम) शक्ति मोहन अवस्थी ने छात्रों को सम्मानित किया। पद्मश्रीप्रो डॉ राजाराम जैन, भूटान सरकार से सर्वोच्च पुरस्कार एके मिश्रा साइक्लोथन विजेता सौमित्र द्विवेदी एवम सेवानिवृत्त उप मुख्य विधि सलाहकार एस पी गौड़ को भी सम्मानित किया गया

अध्यक्ष के के जैन एवं महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारे सेक्टर के लिए बहुत बहुत ही गर्व की बात है कि हमारे सेक्टर में इतने मेधावी बच्चे हैं।

इस दौरान फेडरेशन आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन, महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा, उपाध्यक्ष राजेश राय कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, विद्यासाइन एकेडमी निदेशक अभिषेक राणा डॉ डी महापात्रा,सुरिंदर महाजन टी एन श्रीवास्तव, बंटी चौधरी, संजय नागी, दीपाली पसारी एम सी भारद्वाज कुलदीप मुंशी प्रदीप सिंह विकास गुलाटी अनिल शर्मा के के भाटिया शेखर शर्मा के सी रावत एस के सिंघल जगदीश जोशी जगत सिंह सहित काफी सेक्टर निवासी उपस्थित रहे।

# सेक्टर-56 के पार्क में किया पौधारोपण

**नोएडा ( चेतना मंच )।** नोएडा के सेक्टर-56ए ब्लॉक के पार्क में नोएडा प्राधिकरण एवं आरडब्ल्यूए सेक्टर-56 के संयुक्त सौजन्य से 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया गया। पौधारोपण अभियान के तहत नोएडा प्राधिकरण के उद्यान विभाग द्वारा सेक्टर में नीम, आंवला, जामुन इत्यादि के पौधे लगाये एवम उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी उपलब्ध कराए गए।

थानाध्यक्ष सेक्टर-58 अमित कुमार ने नीम का पौधा लगा कर पौधारोपण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद सेक्टर-56 चौकी प्रभारी सुधीर कुमार तथा उद्यान विभाग नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने पौधारोपण किया।

पौधारोपण कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संजय मावी, महासचिव जी के बंसल, उपाध्यक्ष हरीश जुगरान, हरीश सबरवाल,जे एम सेठ, नकुल मित्तल, पंकज जैन,ज्ञानेश्वर प्रसाद, ओंकारेश्वर बंसल, विजयपाल सिंह, बी सी गौड़ आदि द्वारा एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

# दिव्यांगों की लाभार्थी योजना के लिए लगेंगे शिविर

**नोएडा ( चेतना मंच )।** दिव्यांगजनों के हितार्थ चलाई जा रही शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र दिव्यांगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर जनार्दन सिंह ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजना कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजना संचालित है, जिसके अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें विगत 3 वर्ष में सहायक उपकरण प्राप्त नहीं हुए हैं (संस्थागत अध्यनरत छात्रों हेतु बाध्यता नहीं) ऐसे पात्र दिव्यांगजन वेबसाइट https://divyangjanup.upsdc.gov.in/ पर अपना ऑनलाइन आवेदन करते हुए वांछित प्रपत्र डाउनलोड करते हुए आवेदन शिविर में जमा कर सकते हैं अथवा वांछित प्रपत्रों के साथ चिन्हांकन शिविर के माध्यम से दिव्यांगजन हेतु आवेदन किए जाने की व्यवस्था है। आयोजित शिविर में दिव्यांग पेंशन, दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन, यूडीआईडी कार्ड से संबंधित जानकारी भी दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराई जाएगी।

पात्र दिव्यांगजनों को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद में विकासखंड/नगर पंचायत/बीआरसी में तिथि वार शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि दिनांक 22 जुलाई 2024 बीआरसी दादरी परिसर, 26 जुलाई 2024 बीआरसी दनकौर परिसर, 30 जुलाई 2024 नगर पंचायत बिलासपुर, 01 अगस्त 2024 बीआरसी बिसरख परिसर, 06 अगस्त 2024 विकासखंड दादरी परिसर, 09 अगस्त 2024 बीआरसी जेवर परिसर, 20 अगस्त 2024 नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय सेक्टर 19 नोएडा में 11:00 से सायं 3:00 बजे तक आयोजित होने वाले शिविर के माध्यम से जनपद के समस्त पात्र दिव्यांगजन आवेदन कर शासन की योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्मिक भी उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि आयोजित शिविर में दिव्यांगजन अपने पास उपलब्ध प्रमाण पत्रों यथा दिव्यांग प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (गरीबी रेखा से नीचे), निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर आदि के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

# इंदिरा गांधी कला केंद्र का होगा सौंदर्यीकरण

**नोएडा ( चेतना मंच )।** सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में नोएडा प्राधिकरण नया रूप देने जा रहा है। प्राधिकरण इसी महीने टेंडर जारी करने की योजना बना रहा है। टेंडर प्रक्रिया शुरू करने से पहले, प्रस्तावित बदलावों का एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को दिखाया जाएगा।

प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण कार्यालय के सामने इंदिरा गांधी कला केंद्र स्थित है और यह शहर के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों में से एक है। यहां नियमित रूप से सरकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं। वर्तमान में इस केंद्र में 280 लोगों के बैठने की क्षमता है। केंद्र के परिसर से सटे क्षेत्र में पर्याप्त पार्किंग सुविधा भी उपलब्ध है, जो बड़े आयोजनों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि इस केंद्र को पूरी तरह से नया रूप देने जा रहे हैं। इसमें स्टेज, सीट, मैट-फ्लोरिंग, छत और लाइटिंग सिस्टम का पूर्ण नवीनीकरण किया जाएगा। साथ ही, शौचालय और अन्य जन सुविधाओं को भी उन्नत किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगभग तीन करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह नवीनीकरण परियोजना न केवल इंदिरा गांधी कला केंद्र के सौंदर्य को बढ़ाएगी, बल्कि इसे और अधिक कार्यात्मक और आधुनिक बनाएगी।